नई दिल्ली ■ रविवार 30 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 242 ■ पृष्ठ 08

JBT
www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बदलती विश्व-व्यवस्था और जी-20 ... | 07 मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच खेला जाएगा डब्ल्यूपीएल ... | पुष्पा इम्पॉसिबल के आने वाले एपिसोड... 08

भारतीय वायु सेना ने बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे श्रीलंका में 21 टन राहत सामग्री पहुंचाई

ऑपरेशन 'सागर बंधु': श्रीलंका को सहायता पहुंचाने के लिए वायुसेना ने सी-130 और आईएल-76 विमान तैनात किए

कोलंबो। भारतीय वायु सेना ने श्रीलंका में विनाशकारी बाढ़ से विस्थापित लोगों की सहायता के लिए शनिवार को 21 टन राहत सामग्री, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के 80 से अधिक कर्मियों एवं आठ टन उपकरण पहुंचाए। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''श्रीलंका में चक्रवाती तूफान 'डिटवा' के कारण मची तबाही के मद्देनजर भारत ने राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया।'' भारतीय वायु सेना ने कहा कि शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि को हिंडन एयर बेस से तुरंत एक सी-130 और एक आईएल-76 विमान तैनात किए गए जिनके माध्यम से 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और आठ टन उपकरण विमान के जरिए पहुंचाए गए। आवश्यक राशन और महत्वपूर्ण आपूर्ति प्रभावित समुदायों के समर्थन के लिए पहुंचाई गई। प्रभावित समुदायों की मदद के लिए जरूरी राशन और आवश्यक सामग्री पहुंचाई गई है। वायु सेना ने कहा, ''पड़ोसी प्रथम की भावना को दोहराते हुए भारत जरूरत के इस समय में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है।'' जरूरी खाद्य सामग्री और स्वच्छता से जुड़ी आपूर्ति लेकर गया सी130 विमान शुक्रवार को देर रात लगभग डेढ़ बजे कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचा, जहां भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों और श्रीलंका वायु सेना के अधिकारियों ने विमान की अगवानी की। मुश्किल की इस घड़ी में श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने शुक्रवार को 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया और राहत सामग्री की पहली खेप भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि से श्रीलंका पहुंचाई गई। इस बीच, आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित श्रीलंका में शनिवार सुबह नौ बजे तक 123 लोगों की मौत की पुष्टि की, जबकि कम से कम 130 लोग लापता हैं।

डीएमसी ने बताया कि इसके अलावा आपदा से 61,000 परिवारों के 2,00,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। 'सेंट्रल प्रोविंस' के कैंडी में राहत अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कैंडी जिले में ही शुक्रवार देर रात तक मृतकों की संख्या 50 से अधिक पहुंच चुकी थी और आधिकारिक तौर पर अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। मध्य पर्वतीय क्षेत्र का बैडुल्ला जिला भी भूस्खलन से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है, जहां कई लोग लापता हैं और 35 से अधिक लोगों की मौत हुई है। चक्रवाती तूफान 'डिटवा' से मची तबाही के कारण श्रीलंका अप्रत्याशित आपदा का सामना कर रहा है। इसके कारण बाढ़ आई एवं भूस्खलन हुए और बुनियादी ढांचा को व्यापक नुकसान पहुंचा। चक्रवात 'डिटवा' की वजह से हुई बारिश के कारण सभी बड़े तालाबों एवं नदियों में जलस्तर बढ़ गया है और अधिकारियों ने लोगों को चेतावनी देते हुए सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा है।

मौसम ब्यूरो ने कहा कि 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश होने की संभावना है, हालांकि 'डिटवा' शनिवार देर रात तक द्वीप से बाहर चला जाएगा। श्रीलंका के करीब 35 प्रतिशत इलाकों में शुक्रवार सुबह से ही बिजली नहीं है जिससे सरकारी बिजली कंपनी सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के करीब 70 लाख उपभोक्ता प्रभावित हुए हैं। लगातार बारिश और बाढ़ की वजह से बिजली बहाल करने के काम में रुकावट आ रही है।

श्रीलंका ने आपदा राहत कार्यों से निपटने के लिए आपातकाल की घोषणा की

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने बाढ़ से हुई तबाही की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। शुक्रवार को एक सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं ने आपातकाल की घोषणा करने की मांग की थी। चिकित्सकों के ट्रेड यूनियन ने दिसानायके को लिखे एक पत्र में आपातकाल लागू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। शुक्रवार और शनिवार को जारी एक आधिकारिक राजपत्र के अनुसार, पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है।

दिल्ली ब्लास्ट मामला: मुजम्मिल और अन्य की 10 दिन की NIA रिमांड बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी चार आरोपियों - मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागय को प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा, ''एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है।'' दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था।

दिल्ली धमाका जांच: NIA की टीम ने किया हल्द्वानी से दो को गिरफ़्तार

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लाल किला के पास हुये बम धमाके की जांच के सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम ने दिल्ली एवं उत्तराखंड पुलिस के सहयोग से जिले के बनभूलपुरा क्षेत्र से बिलाली मस्जिद के इमाम तथा उसके एक सहयोगी को गिरफ़्तार कर लिया और दोनों को दिल्ली ले गयी। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस को लाल किले के बाहर हुए धमाके के मुख्य आरोपी डॉ उमर नबी से जुड़े मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल से हल्द्वानी का एक सुराग मिला था, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि बिलाली मस्जिद के इमाम मोहम्मद आशिफ और बिजली का काम करने वाले नजर कमाल को शुक्रवार को आधीरात के बाद गिरफ़्तार कर लिया गया और उन्हें दिल्ली ले जाया गया है। गिरफ़्तारी के बाद हल्द्वानी के शहर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार कत्याल और लालकुआं की पुलिस उपाधीक्षक दीपशिखा अग्रवाल के नेतृत्व में लालकुआं, कालाढूंगी, हल्द्वानी, मुखानी और काठगोदाम आदि अनेक थानों से बड़ी संख्या में पुलिस बल बनभूलपुरा पहुंची। पुलिस ने बिलाली मस्जिद और इमाम के घर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी है। अचानक बढ़ी पुलिस की हलचल से स्थानीय लोग सहम गए।

पटियाला हाउस कोर्ट ने अनमोल बिश्नोई की NIA हिरासत सात दिन बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई की एनआईए हिरासत सात दिनों के लिए बढ़ा दी है। एडिशनल सेशंस जज प्रशांत शर्मा ने अनमोल बिश्नोई की एनआईए हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। शनिवार को अनमोल बिश्नोई की एनआईए हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद एनआईए ने उसे कोर्ट में पेश किया था। एनआईए की ओर से पेश वकील राहुल त्यागी ने अनमोल बिश्नोई की हिरासत बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि उससे अभी और पूछताछ करने की जरुरत है ताकि कुछ और खुलासा हो सके। उसके बाद कोर्ट ने अनमोल बिश्नोई की एनआईए हिरासत सात दिन और बढ़ाने का आदेश दिया। अनमोल को एनआईए ने 19 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ़्तार किया था। तब कोर्ट ने अनमोल को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था।

संक्षिप्त खबरें

चुनाव आयोग ने ऐप ईसीआईनेट को बेहतर बनाने को मांगे सुझाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सभी नागरिकों को ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड करने और ऐप पर 'सुझाव जमा करें' टैब का उपयोग करके ऐप को बेहतर बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किया है। यह 27 नवंबर से 27 दिसंबर के बीच किया जा सकता है। ईसीआईनेट ऐप के परीक्षण संस्करण का उपयोग बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और हाल के उपचुनावों के दौरान किया गया था। इस नए मंच ने बेहतर मतदाता सेवाओं, मतदान प्रतिशत दर रुझानों की त्वरित उपलब्धता और मतदान समाप्त होने के 72 घंटों के भीतर अनुक्रमणिका कार्डों के प्रकाशन को भी सक्षम बनाया। मंच की कार्यक्षमता को और बढ़ाना के लिए बिहार चुनावों से मिली सीख और सीईओ, डीईओ, ईआरओ, पर्यवेक्षकों और क्षेत्रीय अधिकारियों से प्राप्त प्रतिक्रिया को शामिल किया जा रहा है।

अंडमान में भारत का पहला प्रवाल भित्ति अनुसंधान केंद्र स्थापित होगा

श्री विजयपुरम। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में सरकार जल्द ही राष्ट्रीय प्रवाल भित्ति शोध संस्थान (एनसीआरआरआई) की स्थापना करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 120 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाला एनसीआरआरआई पूरे देश में प्रवाल भित्तियों पर अनुसंधान के लिए नोडल और निगरानी एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय दक्षिण अंडमान के चिडियाटापू में अपनी तरह का पहला केंद्र स्थापित करेगा। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी अधिकारी शिवपेरुमन ने कहा, ₹प्रवाल भित्ति अनुसंधान, संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए यह एक उन्नत केंद्र होगा।

नेपाल में उतरते समय विमान से टकराया पक्षी, इंजन में आई खराबी

काठमांडू। काठमांडू–पोखरा रुट पर उड़ान भर रहे बुद्ध एयर के विमान (फ्लाइट नंबर 617) की शनिवार पोखरा विमानस्थल पर अवतरण के दौरान एक पक्षी से टक्कर हो गई। बुद्ध एयर के पोखरा कार्यालय के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विमान से टकराने वाला पक्षी गिद्ध था। अल्फ़ा–ओस्कर–चार्ली कॉलसाइन वाला यह एटीआर–72 विमान रनवे नंबर 12 के पूर्वी हिस्से से उतरते समय गिद्ध से टकराया, जिससे विमान के दाहिने इंजन के एक प्रोपेलर को नुकसान पहुंचा।

बर्थडे मनाने जा रहे युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। शाहदरा इलाके में जन्मदिनमनाने जा रहे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जांच में मृतक की पहचान गगन आही (27) के रूप में हुई है। गगन घर में बर्थडे केक काटने की तैयारी कर रहा था। इस बीच उसके दो जानकार युवक घर पहुंचे। आरोपितों ने उसे कॉल कर बाहर बुलाया और गले लगाकर विश करने के दौरान सिर में गोली मार दी। बाद में आरोपित हवा में 2-3 राउंड गोलियां चलाकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इधर, पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर एक आरोपित कुणाल (27) को गिरफ्तार कर लिया है।

सिद्धारमैया और शिवकुमार ने किया राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज

- मुख्यमंत्री निवास पर दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से की पत्रकार वार्ताकोई बाहर से अनावश्यक भ्रम पैदा कर रहा है: सीएम
- सिद्धरमैया, शिवकुमार ने साथ किया नाश्ता, दिखाई एकजुटता

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को एक साथ नाश्ता किया। नाश्ते में भले ही इडली और वड़ा हो लेकिन इस मुलाकात से कर्नाटक के दो कद्दावर नेताओं के बीच सत्ता की खींचतान कम होती दिखी।

शिवकुमार, सिद्धरमैया के आवास 'कावेरी' पर नाश्ते के लिए पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। दोनों नेताओं ने जोर देकर कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और भविष्य में भी वे एकजुट रहेंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने वाली कांग्रेस सरकार को परेशान करने वाले इस मुद्दे पर गतिरोध को खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान के कहने पर मुख्यमंत्री ने नाश्ते पर शिवकुमार को मिलने के लिए बुलाया था। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चेतावनी दी थी कि अगर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सत्ता संघर्ष जारी रहा तो पार्टी अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। सिद्धरमैया ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "मैंने शिवकुमार के साथ नाश्ते पर मुलाकात की क्योंकि कुछ भ्रम पैदा किया गया था। यह मीडिया द्वारा फैलाया गया था।" उन्होंने कहा, "हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं। आज भी कोई मतभेद नहीं हैं, भविष्य में भी नहीं होंगे। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि अब से कोई मतभेद न रहे।" मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एकजुट हैं और मिलकर 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

सिद्धरमैया ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोई भी मंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी का विधायक सरकार के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, "हम विधानसभा में लड़ेंगे। हमने भाजपा और जनता दल सेक्युलर (जदएस) का सामना करने की रणनीति बना ली है। वे कह रहे हैं कि अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। अगर वे स्थगन प्रस्ताव लाते हैं तो हम उससे निपटेंगे।

अवैध हथियार बेचने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार भारी मात्रा में पिस्टल और देसी तमंचा बरामद

नोएडा। एनसीआर क्षेत्र में अवैध शस्त्रों (हथियार एवं कारतूस) की तस्करी करने वाले एक गैंग का पर्दाफाश करते हुये थाना दनकौर पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने तीन पिस्टल, तीन देसी तमंचा, कारतूस तथा 50 हजार रुपए नकद और घटना में प्रयुक्त होने वाली दो कार बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी काफी दिनों से नोएडा, ग्रेटर नोएडा व इसके आसपास के क्षेत्रों में अवैध असलाह व कारतूस की सप्लाई करते हैं।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान ने बताया कि थाना दनकौर पुलिस ने एनसीआर क्षेत्र में अवैध शस्त्रों (हथियार एवं कारतूस) की तस्करी करने वाले एक गैंग का पर्दाफाश करते हुए 5 अभियुक्त गजेन्द्र उर्फ गजे पुत्र हरवीर, सुमित कुमार उर्फ गुण्डा पुत्र रामबल भाटी, सागर भाटी पुत्र श्यमावीर, हर्ष सिंघल पुत्र स्व. सूरज सिंघल तथा निखिल भाटी पुत्र श्यामवीर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि थाना दनकौर पुलिस को सूचना मिली कि काले रंग की एक स्कॉर्पियो कार तथा नीले रंग की एक बलेनो कार में सवार कुछ लोग अवैध रूप से हथियार बेचने के लिए ग्रेटर नोएडा में आए हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने चेकिंग शुरू की तथा बुढ़िया गोल चक्कर के पास से पुलिस ने काले रंग की स्कॉर्पियो और बलेनो कार को चेकिंग के दौरान अपने कब्जे में लिया। उन्होंने बताया कि कार में सवार उक्त पांचों के पास से पुलिस ने तीन पिस्टल 32 बोर, 160 कारतूस, तीन देसी तमंचा 315 बोर, 6 कारतूस तथा 50 हजार रुपए नकद बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने पुलिस को बताया कि वे लोग काफी दिनों से अवैध रूप से हथियार खरीदने बेचने के धंधे में संलिप्त है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि ये लोग असलाह और कारतूस मथुरा के जय गुरुदेव मंदिर के पीछे रहने वाले बंटू से खरीदते हैं। बंटू इन्हें महाकाली आर्म्स एंड एमूलेशन की दुकान जो की मथुरा में है वहां से कारतूस सस्ते दाम पर खरीद कर उपलब्ध करवाता है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि अवैध हथियार बेचकर जो रकम ये लोग कमाते हैं उससे मौज-मस्ती करते हैं।

इनके पास से जो रकम बरामद हुई है वह अवैध हथियार और कारतूस बेचकर कमाए गए मुनाफे की है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी काफी दिनों से अवैध रूप से हथियार की खरीद- फरोख्त में संलिप्त हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ये बदमाश कुख्यात बदमाशों को अवैध हथियार सप्लाई तो नहीं करते हैं। पुलिस को इनसे पूछताछ के दौरान कई अहम सुराग मिले हैं। उन्होंने बताया कि फरार अभियुक्त बंटू व अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

ऑनलाइन ऐप्स के जरिए गांजा तस्करी करने वाले गैंग का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से गांजा तस्करी करने वाले एक गैंग का पर्दाफाश करते हुए थाना सेक्टर-113 पुलिस ने 3 अभियुक्त गिरफ्तार किया है। अभियुक्त शातिर किस्म के बदमाश है। अभियुक्तों इनके कब्जे से 10 किलो 100 ग्राम (ओजी, मैंगो, शिलोंग आदि प्रकार) अवैध गांजा एवं पैकिंग मैटेरियल बरामद हुआ है। डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर-113 नोएडा पुलिस द्वारा शानिवार को एक सूचना के आधार पर एफएनजी सर्विस रोड सेक्टर-123 से अभियुक्त योगेंद्र प्रताप सिंह पुत्र शिवनंदन सिंह, सूरज उर्फ रुद्र पुत्र वीरेंद्र पासवान तथा शिवकेश त्रिपाठी पुत्र रामकुमार त्रिपाठी को 10 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा सहित गिरफ्तार किया गया है।

डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि अभियुक्त कॉलेजों एवं कॉर्पोरेट ऑफिसों के आसपास छुट्टी एवं लंच के समय जाकर लोगों को ऑनलाइन माध्यम से गांजा उसी की लोकेशन पर उपलब्ध कराने का प्रचार करते थे तथा अपना मोबाइल नंबर उन्हें दे देते थे। ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से उनकी लोकेशन एवं ऑर्डर प्राप्त कर ऑनलाइन भुगतान ले लेते थे। इसके

बाद ऑनलाइन डिलीवरी ऐप्स की तर्ज पर पैकिंग पॉलीथीन का उपयोग कर गांजा पैक करते तथा निर्धारित लोकेशन पर पहुँचा देते थे।

ऐसा करने से यदि डिलीवरी के दौरान कोई पकड़ा जाता, तो राइडर ही पकड़ा जाता था और ये लोग बच निकलते थे। उन्होंने बताया कि अभियुक्तगण एनसीआर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर गांजा सप्लाई करते थे तथा पैकिंग के लिए नामी-ग्रामी कंपनियों की कवर पैकिंग पॉलीथीन और उस पर फर्जी ऑर्डर रसीद लगाते थे जिससे किसी को शक न हो। मुख्य अभियुक्त योगेंद्र प्रताप सिंह पूर्व में नोएडा की एक निजी कंपनी में कार्यरत था। वहीं उसके साथी कुछ लोग मादक पदार्थों का सेवन करते थे। इसी क्रम में उसने स्वयं गांजा उपलब्ध कराना शुरू किया और धीरे-धीरे एनसीआर क्षेत्र में इसकी सप्लाई बढ़ाने लगा। उन्होंने बताया कि इस गिरोह के अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ माता की चौकी का आयोजन

नोएडा। आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में माता की चौकी का वार्षिक पारंपरिक आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न किया गया। संस्थान में यह परंपरा वर्ष 1995 से चली आ रही है तथा आई टी एस इंजीनियरिंग कॉलेज में 2005 से विशेष रूप से मनाई जा रही है। नए शैक्षिक सत्र के आरंभ पर माँ के आशीर्वाद की कामना के उद्देश्य से यह आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और पूजा-अर्चना से हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन सोहेल चड्ढा, प्रशासनिक अधिकारी सुरेंद्र सूद, सेक्रेटरी बी.के. अरोड़ा, निदेशक डॉ. मयंक अग्रवाल, डॉ संजय यादव, डॉ विष्णु शर्मा सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने माँ दुर्गा से विद्यार्थियों और संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे कैंपस में प्रसाद वितरण किया गया जिसमें विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। माहौल भक्ति-भाव से सराबोर रहा और सभी ने सामूहिक रूप से भजन कीर्तन करते हुए माँ का आशीर्वाद ग्रहण किया।

पुलिस ने 101 चोरी और गुम मोबाइल फोन बरामद कर मालिकों को लौटाए

नोएडा। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने बीते कुछ माह के दौरान शहर के अलग-अलग हिस्सों से गुम और चोरी हुए 101 मोबाइल फोन को ढूंढकर शनिवार को उनके असली मालिकों तक पहुंचाकर उनके चेहरों पर मुस्कान लौटा दी। सर्विलांस सेल और फेज-दो थाने की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर कई राज्यों से यह फोन बरामद किया है। फेस-दो थाने में गुम हुए मोबाइल फोन पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे।

जानकारी के अनुसार पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश में डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा संतोष कुमार व सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सेन्ट्रल नोएडा उमेश यादव के पर्यवेक्षण में सर्विलांस सेल सेन्ट्रल नोएडा कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर व थाना फेस-2 पुलिस ने लोगों के गुम हुए 101 कीमती स्मार्ट फोन को सीईआईआर (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर) पोर्टल व सर्विलांस

के माध्यम से खोजकर उनके स्वामियों को आज सुपुर्द किया। डीसीपी ने बताया कि सेंट्रल नोएडा के विभिन्न थानों में गुम और चोरी हुए हुए मोबाइल फोन की शिकायतें दर्ज थीं। इन पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इन मोबाइल फोन को सर्विलांस के माध्यम से ट्रैक किया और आज उनके असली मालिकों को वापस लौटाया। इन मोबाइल फोन को बरामद करने के लिए पहले नोएडा के सभी थानों में पिछले कुछ समय में दर्ज फोन चोरी की शिकायतों को खंगाला गया। इसके बाद इन फोन के ईएमआई नंबरों के जरिये इनकी लोकेशन का पता लगाया गया। डीसीपी ने बताया कि इससे पहले भी पुलिस करीब 500 मोबाइल तलाश कर पीड़ितों के सुपुर्द कर चुकी है। अभियान के तहत सभी थानों से चोरी और गुम हुए मोबाइल की जानकारी ली गई। इसके बाद नंबर को सर्विलांस पर लगाया गया।

अन्य तकनीकों का भी इस दौरान सहारा लिया गया। कई मोबाइल को चोरों और बदमाशों ने राहगीरों को बेहद कम दाम में बेच दिया था। पुलिस ने जब मोबाइल खरीदने वालों को कार्रवाई का डर दिखाया तो उन्होंने मोबाइल पुलिस के सुपुर्द कर दी। वहीं मोबाइल धारकों ने आज अपने मोबाइल फोन वापस पाकर पुलिस की प्रशंसा की और अपना मोबाइल देखकर सभी के चेहरे खिल उठे।

एवेंजर्स नोएडा ने चार रन से हासिल की जीत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित सेंचुरियन क्रिकेट मैदान पर चल रही सेंचुरियन टी-20 लीग के लीग मैच में एवेंजर्स नोएडा और त्रिशूल टाइगर्स के बीच मैच खेला गया। मैच में एवेंजर्स नोएडा ने चार रन से जीत हासिल की। दो विकेट और 33 रन की पारी खेलने वाले रमित बाजपेयी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एवेंजर्स नोएडा ने छह विकेट के नुकसान पर 177 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी त्रिशुल टाइगर्स की टीम छह विकेट के नुकसान पर 173 रन बना सकी।

यंग टैलेंट क्रिकेट अकादमी 56 रन से जीती

ग्रेटर नोएडा। लीजेंड क्रिकेट मैदान पर चल रहे अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट की लीग मैच में यंग टैलेंट क्रिकेट अकादमी ने लीजेंड क्रिकेट अकादमी को 56 रन से पराजित किया। मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले लक्ष्य भाटी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। यंग टैलेंट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर के मुकाबले में दस विकेट के नुकसान पर 143 रन स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लीजेंड अकादमी की टीम दस विकेट के नुकसान पर 87 रन ही बना सकी। यंग टैलेंट अकादमी की ओर से लक्ष्य भाटी ने चार विकेट हासिल किए।

निवेश के नाम पर 5.6 करोड़ की ठगी में बैंक खाते मुहैया कराने वाले दो युवक गिरफ्तार

नोएडा। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने महिला से निवेश के नाम पर साढ़े पांच करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह को बैंक खाते मुहैया कराने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खाते में ठगी की रकम गई थी। पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल हुए मोबाइल को भी कब्जे में ले लिया है। दोनों आरोपियों के एक अन्य साथी को भी वांछित बनाया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

एडिशनल डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-50 निवासी महिला ने 30 अक्तूबर को साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी थी कि एक अनजान व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर उससे संपर्क किया। उसने उनको निवेश संबंधी एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। कथित साइबर विशेषज्ञ द्वारा रोजाना ग्रुप पर निवेश संबंधी जानकारी साझा की जाने लगी। विशेषज्ञ के कहने पर ग्रुप के सदस्य विभिन्न कंपनियों, आईपीओ और शेयर मार्केट में निवेश कर मुनाफा कमाने लगे। महिला को भी झांसे में लेकर ठगों ने निवेश कराया और पांच करोड़ 60 लाख रुपये की ठगी कर ली। मामला संज्ञान में आते ही साइबर क्राइम थाना प्रभारी की अगुवाई में एक टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बनाई गई।

मामले की जब विवेचना की जा रही थी, तभी मेरठ के दो युवकों के नाम प्रकाश में आए। इन्हीं के खाते में ठगी की रकम गई थी। पुलिस टीम ने दोनों को हापुड़ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान मेरठ निवासी साहब सिंह और नीरज कुमार के रूप में हुई है। दोनों के मोबाइल को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

बिना हेलमेट वालों को बांटे मुफ्त हेलमेट, लगाईं रिफ्लेक्टर टेप

ग्रेटर नोएडा। सड़क सुरक्षा और यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ ग्रेटर नोएडा ने शनिवार, 29 नवंबर को पुलिस चौकी परी चौक पर विशेष अभियान चलाकर दोपहिया वाहन चालकों को निशुल्क हेलमेट वितरित किए। क्लब की ओर से वाहनों पर रिफ्लेक्शन टेप भी लगाई गईं और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। मुकुल गोयल ने बताया कि यातायात माह के अंतर्गत यह अभियान उन लोगों के लिए खास तौर पर आयोजित किया गया, जो बिना हेलमेट के यात्रा कर रहे थे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और आम जनता को सुरक्षित यात्रा के लिए प्रेरित करना है। अभियान की सराहना करते हुए डीसीपी ट्रैफ़िक डॉ. प्रवीण रंजन ने कहा कि रोटरी क्लब का यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन बहुत कीमती है, इसलिए यातायात नियमों का पालन सभी की ज़िम्मेदारी है। इस प्रकार के कार्यक्रम पुलिस के प्रयासों को और मज़बूती देते हैं। साथ ही उन्होंने आमजन से यातायात नियमों के पालन में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। अभियान में रोटरी क्लब से शुभम सिंघल, कपिल गुप्ता, मुकुल गोयल, मोहित बंसल, मनु जिंदल, सुमित गर्ग, उदित गोयल और अशोक सेमवाल उपस्थित रहे। पुलिस विभाग की ओर से डीसीपी ट्रैफ़िक डॉ. प्रवीण रंजन , एसीपी राकेश प्रताप सिंह, टीआई अमर सिंह और चौकी इंचार्ज परी चौक सन्नी कुमार सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय शूटिंग बॉल में नार्थ जोन-1 से खेलेंगी सात खिलाड़ी

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की सात शूटिंग बॉल महिला खिलाड़ी राज्य स्तरीय शूटिंग बॉल चैंपियनशिप में खेलते हुए नजर आएंगी। नॉर्थ जोन-1 शूटिंग बॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर आरुषि, श्वेता, शालिनी, सपना, कल्पना, दृष्टि कुशवाह और आशी का चयन हुआ है। चैंपियनशिप में सातों खिलाड़ी नॉर्थ जोन-1 का प्रतिनिधित्व करेंगी। बागपत में 27 नवंबर को सीनियर पुरुष व महिला वर्ग में 44वीं, नॉर्थ जोन-1 राज्य स्तरीय शूटिंग बॉल चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में गौतमबुद्ध नगर के अलावा मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, शामली, गाजियाबाद, सहारनपुर, बिजनौर व हापुड़ की टीमों ने हिस्सा लिया। महिला कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में जिले की टीम और गाजियाबाद टीम के रोमांचक मैच देखने को मिला। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गाजियाबाद टीम को 21-19 अंक से पराजित कर फाइनल ट्रॉफी पर कब्जा किया। सभी विजेता खिलाड़ी नोएडा एजुकेशनल अकादमी में जिला शूटिंग बॉल एसोसिएशन के सचिव मोनू कुमार की देखरेख में शूटिंग बॉल के गुर सीखती हैं। सचिव ने कहा कि खिलाड़ियों ने अनुशासन व टीम भावना के साथ शानदार प्रदर्शन कर जनपद का गौरव बढ़ाया है। अकादमी की प्रधानाचार्य मंजू शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों की लगन और मेहनत आने वाले समय में उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता दिलाएगी।

आप के पूर्व विधायक राजेश गुप्ता एमसीडी उपचुनाव से पहले भाजपा में हुए शामिल

भ्रष्टाचार में डूबी है 'आप': राजेश गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को झटका देते हुए उसके वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक राजेश गुप्ता शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इस घटनाक्रम पर 'आप' की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है। दो बार 'आप' विधायक रहे गुप्ता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पार्टी की कर्नाटक इकाई के प्रभारी भी थे। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। भाजपा की दिल्ली इकाई द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि सचदेवा ने गुप्ता का भाजपा में स्वागत किया। सचदेवा ने कहा कि आप नेता अब दिल्ली में उन कमियों और समस्याओं को गिना रहे हैं जो उनकी पार्टी के 12 साल के शासन के दौरान पैदा हुई थीं और फिर भी वे भाजपा की आठ महीने पुरानी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। गुप्ता ने आरोप लगाया कि आप और उसके नेता अरविंद केजरीवाल के पतन के पीछे सबसे बड़ा कारण कार्यकर्ताओं के साथ इस्तेमाल करो और फेंको वाला व्यवहार था। बयान के मुताबिक, "भाजपा में शामिल होते समय, राजेश गुप्ता आप में अपने योगदान, इसके बदले में मिले उपहास और आप नेता अरविंद केजरीवाल के व्यवहार को याद करते हुए भावुक हो गए। उनकी आंखों में आंसू भी आ गए।" गुप्ता ने बयान में कहा कि जब आप का गठन हुआ था, तो कई जाने-माने लोगों ने खुशी-खुशी अरविंद केजरीवाल का साथ दिया था, लेकिन उन्होंने सभी को धोखा दिया और एक-एक करके, उन सभी ने उन्हें छोड़ दिया। उन्होंने कहा, आज, दुर्भाग्य से, मैं भी उस सूची में शामिल हो गया हूं। उन्होंने दावा किया कि अशोक विहार वार्ड में आप ने उपचुनाव के लिए एक ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया है, जिसे पार्टी ने ही नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा, "मेरी सालों की ईमानदारी, सच्चाई और निष्ठा के बावजूद, जब मैंने चिंता जतायी, तो पार्टी प्रमुख मुझसे बात करने को भी तैयार नहीं थे। यह हालत तब है जब पार्टी ना तो दिल्ली में और ना ही एमसीडी में सत्ता में है। गुप्ता ने दावा किया, "कार्यकर्ताओं के साथ 'इस्तेमाल करो और फेंको' जैसा बर्ताव करना अरविंद केजरीवाल और आप के पतन का सबसे बड़ा कारण है। सचदेवा ने कहा कि गुप्ता ने एक जिम्मेदार विधायक के तौर पर अपनी एक अलग पहचान बनायी थी, लेकिन अरविंद केजरीवाल उस पहचान की कद्र नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव हारने के बाद जिस तरह से केजरीवाल दिल्ली से गायब हैं और जिन हालात में वह गए, उसकी गहरी जांच होनी चाहिए। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पूरी तरह से गायब हैं, आप नेता आतिशी और गोपाल राय दिल्ली में सिर्फ "स्पेशल अपीयरेंस" दे रहे हैं। उनका इशारा दिल्ली नगर निगम उपचुनाव के लिए प्रचार की ओर था।

आप में 10 साल की मेहनत भूली गई: फूट-फूटकर रो पड़े गुप्ता

राजेश गुप्ता ने जब आप छोड़ने का कारण बताया, तो वह खुद को संभाल नहीं पाए और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फूट-फूटकर रो पड़े। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि पार्टी में उनकी 10 साल की मेहनत को भुला दिया गया। गुप्ता ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, ₹अरविंद केजरीवाल मेरा फोन तक नहीं उठाते, प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज भी बात नहीं करते। मेरी 10 साल की मेहनत को भुला दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी अब अपने सिद्धांतों से दूर हो गई है और उसने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है, जो पार्टी के शुरुआती वादों के बिल्कुल विपरीत है। बीजेपी में शामिल होने के बाद राजेश गुप्ता ने कहा कि वह अब बीजेपी के साथ विकास और राष्ट्रवाद की राह पर चलेंगे। उन्होंने बीजेपी की विकासवादी नीतियों और राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्धता की जमकर सराहना की। दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने राजेश गुप्ता का पार्टी मुख्यालय में स्वागत किया। सचदेवा ने इस मौके पर कहा कि आप की 'आपदा' अब बीजेपी की ताकत बनेगी। उन्होंने कहा कि आप से अलग हुए नेता अब भाजपा की ताकत बढ़ाएंगे, जिससे दिल्ली के विकास में तेजी आएगी। राजेश गुप्ता ने विश्वास जताया कि वह बीजेपी के साथ मिलकर दिल्ली के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। बीजेपी नेताओं ने गुप्ता के शामिल होने को पार्टी के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। इस दलबदल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एमसीडी उपचुनाव से पहले आप के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, जिसका सीधा फायदा बीजेपी को मिलता दिख रहा है।

इंडिया गेट के प्रदर्शनकारियों की न्यायिक हिरासत एक दिसंबर तक बढ़ाई गई

● **दिल्ली पुलिस ने मांगी थी आरोपितों की सात दिनों की हिरासत, मांग खारिज**

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण की मांग के लिए इंडिया गेट पर प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार आरोपितों की न्यायिक हिरासत एक दिसंबर तक के लिए बढ़ा दी है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की आरोपितों की सात दिनों की पुलिस हिरासत की मांग को खारिज कर दिया।

शनिवार ही कोर्ट ने दो आरोपितों की जमानत याचिका पर भी सुनवाई की। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि आरोपितों ने रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन (आरएसयू) के हैदराबाद के कार्यक्रम में 21 फरवरी को हिस्सा लिया था। प्रदर्शन के दौरान माओवादियों के पक्ष में नारे लगाए गए थे। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हमें इन तथ्यों की पड़ताल के लिए आरोपितों की हिरासत की जरुरत है। उसके बाद कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जमानत याचिकाओं पर नये सिरे से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। जमानत याचिकाओं पर अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी। कोर्ट ने 28 नवंबर को नौ आरोपितों को जमानत दी थी। कोर्ट ने सभी आरोपितों को बीस-बीस हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दी थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक इन आरोपितों ने वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दस पुलिसकर्मियों पर मिर्च का स्प्रे फेंका। पुलिस इन आरोपितों के नक्सलियों से संबंध होने की पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक इन प्रदर्शनकारियों ने नक्सलियों के समर्थन में नारे लगाए थे। पुलिस के मुताबिक इन प्रदर्शनकारियों ने माओवादी कमांडर माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए जो 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या के लिए जिम्मेदार था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक कुछ प्रदर्शनकारियों ने 9 नवंबर को मान सिंह रोड को जाम कर दिया था, जिसके बाद उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक रेडिकल स्टूडेंट यूनियन एक प्रतिबंधित संगठन है। आरोपितों ने सोशल मीडिया पर इस संगठन की प्रशंसा की थी। इंडिया गेट पर प्रदर्शन के मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि कर्तव्य पथ पर प्रदर्शन करने के मामले में छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कर्तव्य पथ पर प्रदर्शन करने वाले छात्र दिल्ली यूनिवर्सिटी के थे, जो भगत सिंह छात्र एकता मंच और हिमखंड नामक संगठन से जुड़े हुए थे। कुछ आरोपितों की जमानत याचिका पर कल यानि 29 नवंबर को भी सुनवाई होनी है।

संक्षिप्त खबरें

मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की

नई दिल्ली। दिल्ली के नवीन शाहदरा में हाल में हुए एक विवाद को लेकर अपराधिक पृष्ठभूमि वाले 27 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना नवीन शाहदरा स्थित मिठाई की एक दुकान के बाहर हुई। उसने बताया कि पुलिस को इसकी सूचना रात में 11 बजकर नौ मिनट पर मिली। उसने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि इलाके के निवासी पीड़ित गगन आही की दाहिनी कनपटी पर गोली लगी थी। उसने बताया कि आही को तुरंत गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने गगन आही पर कथित रूप से गोली चलाई थी। उसने बताया कि दोनों आरोपियों में से एक को हिरासत में ले लिया गया है और अपराध में संभवतः इस्तेमाल की गई मोटरसाइकल को भी जब्त किया गया है। दूसरे हमलावर की तलाश जारी है। जांच अधिकारियों के अनुसार, हत्या का कारण मृतक और दोनों आरोपियों के बीच हाल में हुए विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "वे तीनों विवाद सुलझाने के लिए एकत्र हुए थे लेकिन स्थिति बिगड़ गई।" पुलिस ने बताया कि इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

ड्रग्स तस्करी के मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की नॉर्दर्न रेंज-I की टीम ने ड्रग्स तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे जफर हुसैन को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर 2018 में दर्ज एनडीपीएस केस में अदालत द्वारा 3 नवंबर 2025 को गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में थी। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शनिवार को बताया कि 24 अगस्त 2018 को गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने जफर हुसैन को दिल्ली गेट इलाके से गिरफ्तार किया था। उसके बैग से 510 ग्राम स्मैक बरामद हुई थी। मामले में उसे जेल भेजा गया था, लेकिन बाद में मिली जमानत का दुरुपयोग करते हुए वह अदालत में हाजिर नहीं हुआ। इसके बाद अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस टीम को तकनीकी निगरानी की मदद से पता चला कि आरोपित हरियाणा के झज्जर जिले के दादरी गांव में छिपा हुआ है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपित को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि 30 वर्षीय जफर हुसैन बदायूं जिले के मोहल्ला-सहवाजपुर का रहने वाला है। वह 12वीं तक पढ़ा है। वह शराब का आदी है। जमानत मिलने के बाद वह लगातार ठिकाने बदलता रहा और झज्जर में छिपकर रह रहा था।

बर्थडे मनाने जा रहे युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। शाहदरा इलाके में जन्मदिनमनाने जा रहे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जांच में मृतक की पहचान गगन आही (27) के रूप में हुई है। गगन घर में बर्थडे केक काटने की तैयारी कर रहा था। इस बीच उसके दो जानकार युवक घर पहुंचे। आरोपितों ने उसे कॉल कर बाहर बुलाया और गले लगाकर विश करने के दौरान सिर में गोली मार दी। बाद में आरोपित हवा में 2-3 राउंड गोलियां चलाकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इधर, पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर एक आरोपित कुणाल (27) को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल बाइक को भी बरामद कर लिया गया है। जांच में पुलिस को पता चला है कि गगन का आरोपितों से दो दिन पहले किसी क्लब में झगड़ा हुआ था। उसी सिलसिले में बातचीत करने के लिए आरोपित गगन के घर पहुंचे थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों ही आरोपित गगन के जानकार हैं।

अंतरराष्ट्रीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विभिन्न देशों के सांसदों, पूर्व राजनयिकों, रक्षा और सामरिक मामलों के विशेषज्ञों के एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का शनिवार को यहां स्वागत किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने ऐतिहासिक विधानसभा भवन एवं सदन का भ्रमण किया। विजेंद्र गुप्ता ने सभी को पारंपरिक 'पटका' पहनाकर तथा दिल्ली विधानसभा की स्मृति के रूप में विशेष उपहार भेंट कर स्वागत किया।

गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को कॉफी टेबल बुक "दिल्ली विधानसभा की प्रस्तुति शताब्दी-यात्रा, वीर विट्ठलभाई पटेल" भी भेंट की। उन्होंने कहा कि विरासत भी, विकास भी, दिल्ली विधानसभा वह स्थान है जहां इतिहास भविष्य को प्रेरित करता है। गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि यह भवन स्वतंत्रता-पूर्व काल में केंद्रीय विधानसभा की प्रथम संसद रहा है और भारत की लोकतांत्रिक विरासत का गौरवशाली प्रतीक है।

उन्होंने दिल्ली विधानसभा में लागू की गई राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) जैसी आधुनिक पहल एवं विधानसभा को पूरा सौर ऊर्जा संचालित हरित भवन में परिवर्तित किए जाने की उपलब्धि की भी जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल में फ्रांस से राष्ट्रीय युवा आंदोलन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि एंजो एलिएस, नेपाल से नेशनल डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष सुजीत केसी, नेपाल से राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष ध्रुब बहादुर प्रधान, बेल्जियम से फ्लेमिश संसद के उपाध्यक्ष फिलिप डेविंटर, बेल्जियम से फ्लैंडर्स की सेनेटर अंक मारिया, फ्रांस के हांगकांग स्थित फ्रेंच कांसुलर सलाहकार गुइयोन मार्क, मंगोलिया के सांसद सदस्य सांइखवु गनबातार, नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की केंद्रीय समिति सदस्य इंजि. सजिना कार्की, मंगोलिया विकास बैंक के उप निदेशक एरडेनेबाटार खाश एरडेने, सर्बिया के विदेश मंत्रालय के काउंसलर एलेक्जेंडर एम. गाजिक, नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग से प्रभा मिश्रा, ब्रिटेन के राजनीतिक सलाहकार केनथ ओलिवर मॉरिस, सर्बिया से वोइवोडिना की स्वायत्त प्रांत विधानसभा के डिप्टी रायको कापेलन, श्रीलंका से एसएलपीपी के पोलित ब्यूरो सदस्य गीतनाथ कासिलिंगम एवं श्रीलंका से एसएलपीपी की स्पीकर एडिरिमन पंडिथागे सैंडविन्या लक्सरानी एडिरिमन शामिल थे।

दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर व्यवसायों के लिए वाणिज्यिक स्थान उपलब्ध: एनसीआरटीसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर कमर्शियल स्पेस और इनडोर व ऑनबोर्ड विज्ञापन अधिकारों के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। एनसीआरटीसी का कहना है कि कॉरिडोर के कई स्टेशनों पर उपलब्ध ये स्थान व्यवसायिक गतिविधियों और ब्रांड प्रमोशन के लिए नए अवसर प्रदान करेंगे। एनसीआरटीसी के अनुसार, गाजियाबाद, दुहाई, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ, प्रतापपुर और शताब्दी नगर सहित 10 स्थानों पर लगभग 706 वर्गमीटर मिक्स्ड बिल्ट-अप और खाली स्थानों के लाइसेंस के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। गाजियाबाद स्टेशन पर 120 और 100 वर्गमीटर तथा प्रतापपुर में 130 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले स्पेस "जैसा है, जहां है" आधार पर दुकानों, कियोस्क और यात्री सुविधाओं के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही एनसीआरटीसी ने कॉरिडोर पर स्टेशन परिसर के अंदर और ट्रेन में विज्ञापन अधिकारों के लाइसेंसधारी चयन के लिए भी निविदाएं जारी की हैं। सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद, मोदीनगर नॉर्थ-साउथ, मेरठ सेंट्रल, बेगमपुल और मोदीपुरम सहित प्रमुख स्टेशनों पर लगभग 1,800 वर्गमीटर इनडोर विज्ञापन स्पेस उपलब्ध कराया जाएगा। सराय काले खां, आनंद विहार और गाजियाबाद स्टेशनों पर डिजिटल स्क्रीन के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए गए हैं। निविदा में 16 नमो भारत और नौ मेरठ मेट्रो ट्रेनों के भीतर भी विज्ञापन की सुविधा शामिल है, जिसमें फिक्स्ड पैनल, डिजिटल स्क्रीन, ग्रैब हैंडल, हेडरेस्ट और ग्लास पैनल जैसे कई प्रारूप उपलब्ध होंगे।

पटियाला हाउस कोर्ट ने दी चैतन्यानंद सरस्वती से जुड़े छेड़छाड़ मामले के 3 आरोपितों को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने एक निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में तीन आरोपितों को जमानत दे दी है। स्वामी चैतन्यानन्द इस मामले में मुख्य आरोपित हैं। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अनिमेष कुमार ने तीनों आरोपितों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने तीनों आरोपितों को बीस-बीस हजार रुपये के मुचलके पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

कोर्ट ने जिन आरोपितों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया, उनमें श्वेता, भावना और काजल शामिल हैं। कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर 27 नवंबर को संज्ञान लिया था। दिल्ली पुलिस ने 1077 पेजों की चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें 43 गवाह बनाए गए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक उसे इस मामले की जांच के दौरान कई डिजिटल सबूत मिले हैं। दिल्ली पुलिस को चैतन्यानंद सरस्वती के मोबाइल फोन से एक व्हाट्सएप ग्रुप के चैट रिकॉर्ड मिले हैं, जिसमें वो छात्राओं की तस्वीरों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करता नजर आ रहा है। पुलिस ने उसके कमरे से एक सेक्स टॉय और पांच पोर्न सीडी भी बरामद की है। दिल्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(2), धारा 79, धारा 351(2) और धारा 232 के तहत मामला दर्ज किया है। चैतन्यानंद सरस्वती को आगरा के गिरफ्तार किया गया था। चैतन्यानंद सरस्वती पर आरोप है कि उसने आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग की छात्राओं के साथ अश्लील हरकत की थी। कॉलेज के सीसीटीवी कैमरों का एक्सेस चैतन्यानंद सरस्वती के पास था ताकि वो छात्राओं पर नजर रख सके। उसने सुरक्षा के नाम पर सीसीटीवी कैमरे जानबूझकर वाशरुम के पास इंस्टाल करवाया था। चैतन्यानंद पर छात्राओं से अश्लील हरकत करने के अलावा वित्तीय फर्जीवाड़ा करने का भी आरोप है।

आरोप है कि उसने संबंधित संस्थान की संपत्तियों को निजी कंपनियों पर किराये पर दे रखा था। वो संस्थान की संपत्तियों से महंगी गाड़ियां खरीदता था। उसके कब्जे से पुलिस ने एक बीएमडब्ल्यू कार जब्त की थी। वो महंगी गाड़ियों में लड़कियों को लेकर जाता था और उनके साथ अश्लील हरकत करता था।

दिल्ली का गाजीपुर थाना बना देश का नंबर-1 थाना, ट्रॉफी लेकर थाने पहुंचे एसएचओ

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। कचरे के विशाल पहाड़ के ठीक सामने स्थित दिल्ली का गाजीपुर थाना देश का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन बन गया है। रायपुर में चल रही डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वयं गाजीपुर थाने के एसएचओ बाला शंकरन को ट्रॉफी सौंपी। देश के 16,000 से ज्यादा पुलिस थानों को पछाड़कर गाजीपुर थाने ने यह मुकाम हासिल किया है। गाजीपुर थाने के बाहर जहां 70 मीटर ऊंचा कचरे का पहाड़ है, वहीं अंदर की तस्वीर पूरी तरह अलग है। पूर्वी जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया के निर्देशानुसार चमचमाता हुआ थाना परिसर, हरा-भरा गार्डन, शिकायतों का तत्काल निपटारा और आम जनता के साथ दोस्ताना व्यवहार – इन्हीं खूबियों के दम पर गाजीपुर थाना देश में अव्वल रहा। दूसरा स्थान अंडमान-निकोबार के पहाड़गांव थाने और तीसरा स्थान कर्नाटक के कवितल थाने को मिला है।ट्रॉफी लेकर दिल्ली लौटे गाजीपुर थाने के एसएचओ बाला शंकरन ने कहा, "यह सिर्फ मेरी नहीं, पूरी टीम और दिल्ली पुलिस की जीत है। कचरे के पहाड़ के साये में चमकता देश का नंबर-1 थाना – यही गाजीपुर पुलिस स्टेशन की नई पहचान है। डीसीपी अभिषेक धानिया की देखरेख गाजीपुर थाना की पूरी टीम ने मेहनत और लगन के साथ काम किया इसी मेहनत का नतीजा है कि आज हम देश में सर्वप्रथम थाना के रूप में स्थापित हुए हैं। ट्रॉफी लेकर थाने पहुंचते ही पूरे स्टाफ ने खुशी से फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को बधाई दी। दिल्ली पुलिस के लिए यह गर्व का पल है।

लूटपाट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के गोकुलपुरी थाना क्षेत्र में हुई लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपित की पहचान मोहम्मद आकिब (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। उतर पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने शनिवार को बताया कि 17 नवंबर की सुबह करीब 9:30 बजे गोकुलपुरी स्थित यूके मिल्क एजेंसी में लूट की घटना हुई थी। पार्ट-टाइम काम करने वाला 16 वर्षीय नाबालिग छात्र जब दुकान में रुपये गिन रहा था, तभी दो बदमाश अंदर घुसे और हथियार दिखाकर नकदी लूटकर फरार हो गए। नाबालिग के बयान पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 27 नवंबर की रात नाला रोड, गोकुलपुरी में गश्त के दौरान कॉन्स्टेबल आजहर और तुषार ने एक संदिग्ध व्यक्ति को बाइक पर जाते देखा और उसे रोका। जांच में उसकी पहचान न्यू मुस्तफाबाद निवासी मोहम्मद आकिब के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल और दो कारतूस मिले। आगे की जांच में पता चला कि उसकी मोटरसाइकिल मंडावली क्षेत्र से चोरी हुई थी। इधर सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपित ने कबूल किया कि वह भी 17 नवंबर की लूट में शामिल था। उसके खिलाफ पहले भी एक झपटमारी का मामला दर्ज है। फिलहाल पुलिस उसके साथियों और नेटवर्क की तलाश में जुटी है।

खराब सड़कें, सार्वजनिक परिवहन का कमजोर ढांचा दिल्ली में प्रदूषण का मुख्य कारण: दीक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण खतरनाक स्तर के करीब पहुंचने पर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का मुख्य कारण पराली या दीपावली पर जलाए जाने वाले पटाखे नहीं, बल्कि खराब सड़कें और सार्वजनिक परिवहन का कमजोर ढांचा है।

दीक्षित ने कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में प्रदूषण पूरे साल बना रहता है, लेकिन नवंबर-दिसंबर में ठंड और कोहरे की वजह से प्रदूषक कण जमीन के करीब आ जाते हैं और हवा की गुणवत्ता और ज्यादा बिगड़ जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें एक-दूसरे पर दोष मढ़ने में लगी रहती हैं, जबकि वास्तविक कारणों पर ध्यान नहीं देतीं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण में 30 से 45 प्रतिशत योगदान वाहनों का है, जबकि वाहनों की तकनीक बीएस-3 से बीएस-6 तक उन्नत होने के बाद उत्सर्जन काफी घट गया है। इसके बावजूद हवा लगातार खराब हो रही है। इसका बड़ा कारण दिल्ली की सड़कों की खराब हालत है, जिसके चलते दिन में वाहनों की औसत गति 20–25 किमी/घंटा और शाम के समय 10–15 किमी/घंटा रह जाती है, जिससे प्रदूषण में ढाई गुना तक इजाफा होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में सड़कें बेहतर थीं और तब वाहनों की औसत गति 35–50 किमी/घंटा थी, जिससे प्रदूषण नियंत्रित रहता था।

दीक्षित ने दिल्ली की मौजूदा और पूर्ववर्ती सरकारों की नीतिगत विफलताओं की वजह से हवा आज 'खराब' से 'गंभीर' श्रेणी तक पहुंच जाती है। केवल कुछ बसों को इलेक्ट्रिक करने से कोई बड़ा सुधार नहीं होने वाला। प्रदूषण नियंत्रण के लिए पूरा बस फ्लीट इलेक्ट्रिक करना होगा, तभी वायु गुणवत्ता में सुधार संभव है। दिल्ली को प्रदूषण संकट से बचाने के लिए सड़क ढांचे में सुधार और बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट की आवश्यकता है, वर्ना हालात और बिगड़ते जाएंगे।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी है कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया है।

विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले को पलट दिया है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने व्यवस्था दे दी कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया। यानी गुजरे अप्रैल में तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में खुद उसने जो निर्णय दिया, उसके बारे में अब उसकी राय है कि उसने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर व्यवस्था दी! तब सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए कहा था कि विधानसभाओं से दोबारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों को 90 दिन के अंदर सहमति देनी होगी। ऐसा ना होने पर समझा जाएगा कि संबंधित विधेयक को मंजूरी मिल गई है।

राज्यपालों के जरिए राज्यों के अधिकार क्षेत्र में केंद्र के दखल की शिकायतें गुजरे वर्षों में बढ़ती चली गई हैं। विधानसभाओं से पारित ऐसे विधेयक, जिनसे केंद्र सहमत ना हो, उन्हें कानून ना बनने देने के लिए राज्यपालों ने उन पर दस्तखत ना करने का तरीका अपनाया है। अतः इससे परेशान गैर-एनडीए राज्य सरकारों के लिए सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल के फैसले को बड़ी राहत माना गया। समझा गया था कि उस फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने फेडरिज्म की रक्षा की है, जो संविधान के बुनियादी ढांचे का प्रमुख पहलू है। मगर उससे केंद्र नाराज हुआ। उसने सीधे पुनर्विचार याचिका दायर करने के बजाय राष्ट्रपति के रेफरेंस से मामले को दोबारा कोर्ट के पास भेजा।

इस दौरान केंद्र ने यह विवादित दलील भी दी कि केंद्र का प्रतिनिधि होने के नाते राज्यपालों की अपनी जन-वैधता है, जिससे वे निर्वाचित राज्य सरकारों के निर्णय को रोक सकते हैं। यानी निर्वाचित सरकारों की वैधता पर राज्यपालों को तरजीह मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय को ऐसी विवादास्पद मान्यता पर मुहर माना जाएगा। इससे फेडरिज्म को लेकर आशंकाएं फिर खड़ी होंगी। धारणा बनेगी कि सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या केंद्र की सोच के अनुरूप की है।

बदलती विश्व-व्यवस्था और जी-20 की चुनौती

जी-20 की सबसे गंभीर चुनौती गहराता हुआ भू-राजनीतिक विभाजन है। यूक्रेन क्षेत्र में चल रहा युद्ध, पश्चिम एशिया की अस्थिरता, प्रशांत क्षेत्र में टकराव, बड़े देशों के बीच तकनीकी एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा तथा बढ़ते प्रतिबंधों ने समूह की सहमति-निर्माण क्षमता को कमजोर बनाया है। कई बार ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं कि साझा घोषणा-पत्र निकालना भी कठिन हो जाता है। उदाहरणस्वरूप, जोहान्सबर्ग बैठक में केवल अत्यंत सामान्य रूप से 'स्थायी एवं न्यायपूर्ण शांति' की अपील की गई, क्योंकि सदस्य देशों के दृष्टिकोण आपस में टकराते रहे। यह स्थिति दिखाती है कि वैश्विक मुद्दों पर सामूहिक स्वर तैयार करना कितना कठिन हो चुका है। महाशक्तियों के व्यक्तिगत हित कई बार समूह के साझा हितों पर भारी पड़ जाते हैं। इससे उबंटू-अर्थात "मैं हूँ क्योंकि हम हैं"-जैसी साझा जिम्मेदारी की मूल भावना क्षीण होती जा रही है। कुछ प्रमुख देशों द्वारा सम्मेलन से दूरी बनाना या महत्वपूर्ण विमर्शों में भागीदारी में अनिच्छा दिखाना, समूह की विश्वसनीयता को कमजोर करता है।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

विश्व-राजनीति वर्तमान समय में गहरे परिवर्तनों से गुजर रही है। महाशक्तियों के बीच अविश्वास, क्षेत्रीय युद्ध, आर्थिक संकट, तकनीकी वर्चस्व की होड़, जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे और वैश्विक संस्थाओं में घटती प्रभावशीलता ने विश्व-व्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। ऐसे दौर में जी-20, जो विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करने का सबसे महत्त्वपूर्ण मंच है, स्वयं को अभूतपूर्व चुनौतियों के बीच पाता है। समूह की प्रभावशीलता पर बढ़ते संदेह मात्र इसके कार्य-तंत्र से उत्पन्न नहीं हुए, बल्कि यह बदलती विश्व-स्थिति और बहुध्रुवीयता के असंतुलन का प्रत्यक्ष परिणाम है।

जी-20 की सबसे गंभीर चुनौती गहराता हुआ भू-राजनीतिक विभाजन है। यूक्रेन क्षेत्र में चल रहा युद्ध, पश्चिम एशिया की अस्थिरता, प्रशांत क्षेत्र में टकराव, बड़े देशों के बीच तकनीकी एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा तथा बढ़ते प्रतिबंधों ने समूह की सहमति-निर्माण क्षमता को कमजोर बनाया है। कई बार ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं कि साझा घोषणा-पत्र निकालना भी कठिन हो जाता है। उदाहरणस्वरूप, जोहान्सबर्ग बैठक में केवल अत्यंत सामान्य रूप से 'स्थायी एवं न्यायपूर्ण शांति' की अपील की गई, क्योंकि सदस्य देशों के दृष्टिकोण आपस में टकराते रहे। यह स्थिति दिखाती है कि वैश्विक मुद्दों पर सामूहिक स्वर तैयार करना कितना कठिन हो चुका है।

महाशक्तियों के व्यक्तिगत हित कई बार समूह के साझा हितों पर भारी पड़ जाते हैं। इससे ₹उबंटू₹-अर्थात "मैं हूँ क्योंकि हम हैं"-जैसी साझा जिम्मेदारी की मूल भावना क्षीण होती जा रही है। कुछ प्रमुख देशों द्वारा सम्मेलन से दूरी बनाना या महत्वपूर्ण विमर्शों में भागीदारी में अनिच्छा दिखाना, समूह की विश्वसनीयता

को कमजोर करता है। इससे जी-20 उस भूमिका को नहीं निभा पाता जिसके लिए यह बनाया गया था- यानी वैश्विक समस्याओं के समाधान हेतु सामूहिक एवं समन्वित प्रयास।

इसके साथ ही आर्थिक असमानता जी-20 के सामने एक और महत्वपूर्ण चुनौती है। विकसित और विकासशील देशों के बीच आय, तकनीक, स्वास्थ्य-सुविधाएँ, कौशल, ऊर्जा स्त्रोतों और जलवायु वित्त में बढ़ती खाई ने समूह के भीतर संतुलन को प्रभावित किया है। वैश्विक ऋण संकट, विकासशील देशों पर बढ़ता आर्थिक दबाव, मंदी का खतरा और असमान व्यापार-संरचना मिलकर ऐसे परिदृश्य का निर्माण करते हैं जिसमें साझा नीति बनाना कठिन हो जाता है। ऐसे समय में समूह को जिस सशक्त नेतृत्व और सहयोग की आवश्यकता है, वह कई बार अनुपस्थित दिखाई देता है। इन जटिल परिस्थितियों के बीच भारत ने जी-20 में अत्यंत सकारात्मक, समावेशी और संतुलनकारी भूमिका निभाई है। भारत ने न केवल वैश्विक दक्षिण की चिंता और अपेक्षाओं को केंद्र में रखा बल्कि ऐसे ठोस कदम भी उठाए जिनका दीर्घकालिक प्रभाव दिखाई देता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाना रही। यह निर्णय न केवल ऐतिहासिक था बल्कि उन विकासशील देशों की पुरानी मांग को भी पूरा करता था जिन्हें वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया में बराबरी का स्थान नहीं मिलता रहा। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत वैश्विक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने विकासशील देशों की वास्तविक आवश्यकताओं पर आधारित कई व्यावहारिक एवं मापनीय पहलों को आगे बढ़ाया। डिजिटल सार्वजनिक संरचना का मॉडल, स्वास्थ्य-सुरक्षा व्यवस्था, कौशल विकास, ग्रामीण एवं कृषि नवाचार, मत्स्य प्रबंधन, पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण, आपदा प्रबंधन में सहयोग और उपग्रह आँकड़ों का साझा उपयोग- ये सभी पहलें विकासशील देशों की आवश्यकताओं से सीधे जुड़ी हैं। विशेषकर ₹अफ्रीका कौशल वृद्धि योजना₹ जैसी पहलें लाखों युवाओं के लिए अवसरों का मार्ग खोलती हैं।

भारत ने वैश्विक सुरक्षा से जुड़े महत्त्वपूर्ण मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया, विशेषकर आतंकवाद और नशीली दवाओं के गठजोड़ को। यह विषय लंबे समय से वैश्विक विमर्श में अपेक्षित महत्व नहीं पाता रहा था। भारत ने इसके विरुद्ध कठोर और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही न्यायपूर्ण ऊर्जा परिवर्तन, जलवायु वित्त, सतत विकास, तकनीक की समान उपलब्धता और खाद्य-सुरक्षा जैसे विषयों पर भी भारत ने विकासशील देशों की सामूहिक आवाज़ को मजबूत किया।

हालाँकि भारत की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रही है, फिर भी इसकी कुछ सीमाएँ स्पष्ट रूप से सामने आती हैं। महाशक्तियों के बीच चल रहे तीव्र संघर्षों के बीच भारत सभी पक्षों को एकजुट नहीं कर सका। प्रमुख देशों की अनुपस्थिति को भारत रोक नहीं पाया, न ही यह सुनिश्चित कर सका कि सभी देश साझा घोषणा-पत्र में कठोर रुख अपनाएँ। आतंकवाद पर अपेक्षित कठोर निंदा का शामिल न हो पाना भारत के लिए निराशाजनक था। इसी प्रकार भारत की कई विकास सम्बन्धी पहलें सभी देशों की समान रुचि और समर्थन प्राप्त नहीं कर पाईं, क्योंकि प्रत्येक देश की प्राथमिकताएँ भिन्न होती हैं।

वैश्विक दक्षिण के भीतर भी कई बार मतभेद देखने को मिलते हैं, जिससे समग्र एजेंडा कमजोर पड़ता है। भारत की कूटनीति संतुलनकारी अवश्य है, परन्तु महाशक्तियों के कठोर और प्रतिस्पर्धी रुख के बीच इसकी प्रभाव सीमा सीमित हो जाती है। फिर भी यह निर्विवाद है कि आज वैश्विक दक्षिण का ऐसा कोई और देश नहीं है जो भारत जैसी व्यापक, संतुलित, विश्वासयोग्य और दूरदर्शी भूमिका निभा सके। भारत ने जी-20 के मंच को नई ऊर्जा दी है, वैश्विक दक्षिण के हितों को उचित सम्मान दिलाया है और वैश्विक शासन में समावेशिता की नई परिभाषा प्रस्तुत की है।

अंततः, जी-20 की भविष्य की सफलता उसके सदस्यों की सामूहिकता की भावना, परस्पर विश्वास, और साझा उत्तरदायित्व को पुनर्जीवित करने पर निर्भर करेगी। यदि समूह ₹उबंटू₹-यानी साझा मानवता और साझा दायित्व- के सिद्धांत को पुनः अपनाता है, तो यह वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपट सकता है। भारत ने इस दिशा में मजबूत नींव रखी है और आने वाले समय में उसकी भूमिका और अधिक निर्णायक रूप से उभर सकती है।

'वंदे मातरम्' है भारत की साकार अंतश्चेतना

गिरीश्वर मिश्र

वैश्विक स्तर पर भारत सदियों से अनेक देशों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा है । यह तथ्य अनेक साक्ष्यों से बहुशः प्रमाणित है कि प्राचीन भारत की भौतिक समृद्धि से प्रभावित हो खिंचे आए विदेशी आक्रान्ताओं ने भारत का अनेक प्रकार से शोषण और दोहन किया और अनैतिक ढंग से विभिन्न क्षेत्रों में और विभिन्न अवधि के लिए अपना अनधिकृत आधिपत्य जमाया। इस प्रक्रिया में भारतीय सांस्कृतिक परिदृश्य और जीवन पद्धति में अनेक परिवर्तन आए। इस श्रृंखला की अंतिम कड़ी के रूप में बर्तानवी (अंग्रेजी) उपनिवेश की लगभग दो सौ वर्षों की त्रासदी थी। यह इस अर्थ में विशेष अर्थ रखती है कि इस दौर में देश को न केवल भौतिक और आर्थिक क्षति पहुँची अपितु दुर्भाव के साथ उसमें मानसिक रूप से भी बदलाव भी लाया गया ।

शिक्षा के क्षेत्र में जो हस्तक्षेप किया गया उसके बड़े दूरगामी परिणाम हुए जिनसे हम आज तक नहीं उबर सके हैं। इस हस्तक्षेप के अंतर्गत भारतीय चिंतन , ज्ञान-परम्परा और भारतीय विश्व दृष्टि को अप्रासंगिक ठहरा कर उसे हाशिये पर डाल दिया गया। भारतीय प्रतिभा , कौशल और ज्ञान संपदा का समूचा अवदान कालबाह्य घोषित कर दिया गया। इस अहैतुक उपेक्षा का सीधा परिणाम यह हुआ कि हमारा आत्मबोध और हमारी पहचान पश्चिम के आलोक में परिभाषित की जाने लगी। पश्चिमी चिंतन "वैज्ञानिक" और "आधुनिक" कहलाते हुए मुख्यधारा बनकर हम सब पर थोप दिया गया। दूसरी तरफ़ भारतीय दृष्टि उस मुख्यधारा से विचलन के रूप में अग्राह्य और व्यर्थ मानी जाने जाने लगी। उसकी ओर सतत उपेक्षा और वितृष्णा की प्रवृत्ति ने एक ऐसा माहौल बनाया जो हमें सोच-विचार और अपनी निर्णय- क्षमता के लिए पर निर्भर कर दिया। हमने आचार-व्यवहार के लिए मानक भी उधार लेने शुरू कर दिए। हीनता और अपर्याप्तता की तीव्र अनुभूति से ग्रस्त हो कर बहुतों ने भारतीयता की अवधारणा को प्रश्नांकित कर डाला । फलतः भारत की मौलिक अस्मिता संशयग्रस्त बनने के लिए अभिशप्त हो गई, इतनी कि जब देश स्वतंत्र हुआ तो नामकरण का निश्चय करते समय हमने भारत शब्द को अपर्याप्त मान लिया। अंततः भारतवर्ष के लिए "इंडिया दैट इज भारत" का नाम संविधान में दर्ज किया गया।

घटनाक्रम कुछ ऐसा भी हुआ कि पश्चिमी जगत का आर्थिक और राजनैतिक वर्चस्व निरंतर बढ़ता चला गया। हम उसे अपनाते चले गए और उसी में ही गौरव बोध अनुभव करने की आदत डाल ली। दूसरी और हमारा देशज चिंतन जो स्वयं अपना निजी चिंतन था और हमारे अनुकूल था, हमसे दूर होता हुआ अपरिचित होता गया। महात्मा गांधी के "हिन्द स्वराज " के स्वर जो १९०९ में उठे थे वे तेज़ी से मद्धिम पड़ने लगे। आर्थिक योजनाएं, शैक्षिक व्यवस्थाएं, सांस्कृतिक नीतियाँ सबकुछ महात्मा गांधी के स्वप्न के विपरीत दिशा में चलने वाला हो चला। परिणाम यह हुआ कि देश के स्वतंत्र होने के बाद भी देश के शैक्षिक आयोजन में गुलामों के लिए बनाया गया पुराना औपनिवेशिक ढाँचा ही बदस्तूर चलता रहा। यदा-कदा कुछ सतही बदलाव लाने का प्रयास जरूर हुआ पर वह आयोजन मुख्य रूप से पश्चिम से आयातित ढाँचा लेकर ही आगे बढ़ता रहा। इसका परिणाम शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भारत के पिछड़ने के रूप में सामने आया।

आज भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश हो चुका है। साथ ही वह ऐसा देश भी है जिसमें युवा वर्ग की जनसंख्या का अनुपात विश्व में सबसे अधिक है। देश के लिए यह निश्चित रूप से लाभ की स्थिति हो सकेगी बशर्ते हमारा युवा वर्ग योग्य और कुशल हो। यह चर्चा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारत वर्ष २०४७ तक विकसित देश की कोटि में आने के लिए तत्पर और प्रयासरत है। इस पूरे परिदृश्य में "भारत " को समझना, उसे अंगीकार करना आज भी प्रमुख प्रश्न हो जाता है। भारत की अच्छी-बुरी अनेक छवियाँ प्रचलित हैं जो भिन्न भिन्न प्रयोजनों से समय-समय पर गढ़ी गई हैं। एक भौगोलिक संरचना के रूप में किसी देश की परिधि और उपलब्धता राजनैतिक संकल्पों और घटनाक्रमों के साथ भी जुड़ी रहती है। भारत जो कभी अखंड था हम सबके देखते-देखते बीसवीं सदी में ही दो बार खंडित हुआ। पहला विभाजन तब हुआ जब पाकिस्तान बना था और दूसरा तब जब बांग्लादेश के निर्माण के साथ हुआ। देखें तो भूमि तो वही रही और वहीं रही जहाँ पहले थी परंतु उस भूमि का अर्थ, उपयोग, उससे संबंध और संलग्नता का आशय लगातार बदलता रहा। भारत जो कभी प्रकृति की गोद में समुद्र और हिमालय के बीच स्थित स्वतःसिद्ध इकाई के रूप में स्वीकृत था परिभाषाओं की प्रतीक्षा करने लगा। उसकी अनेक परिभाषाएँ दी जाती रहीं। आज जब एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को हम साकार करने को तैयार हो रहे हैं तो हमें यह भी सोचना होगा हम किस भारत की प्रतिमा के साथ चल रहे हैं। वह भारत कैसा होगा?

यह सुखद आश्चर्य है कि उसकी एक अतुल्य छवि डेढ़ सौ साल पहले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के "आनंद मठ" में आए गीत वंदे मातरम् में प्रतिध्वनित हुई थी। प्रकृति की सारी सुषमा से समन्वित, सारी कामनाओं को पूरा करने वाली, मधुर वाणी वाली, निर्मल, अतुलनीय, ज्ञान और शक्ति से परिपूर्ण भारत माता की छवि सारे भेदभावों से परे एक आत्मीय प्रतिमा को रूपायित करती है। इस छवि का स्मरण और मन में धारण करना निजी स्वार्थ से परे सबके लिए समग्र जीवन की दिशा में समर्पण के लिए अग्रसर कराता है।

छतरपुर का मां कात्यायनी मंदिर दुनिया के सबसे बड़े मंदिरों में शामिल

आद्या कात्यानी शक्ति पीठ मंदिर या छतरपुर मंदिर एक भव्य हिंदू मंदिर है जो मां दुर्गा के कात्यायनी रूप को समर्पित है। छतरपुर मंदिर दिल्ली के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में एक है। यह मंदिर गुड़गांव-महरौली मार्ग के निकट छतरपुर में स्थित है। छतरपुर स्थित श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर का शिलान्यास सन 1974 में किया गया था। इसकी स्थापना कर्नाटक के संत बाबा नागपाल जी ने की थी। इनकी 1998 में मृत्यु हो गई थी और उनकी समाधि मंदिर परिसर के भीतर शिव-गौरी नागेश्वर मंदिर के परिसर में स्थित है। कहते हैं कि इससे पहले मंदिर स्थल पर एक कुटिया हुआ करती थी। फिर धीरे-धीरे मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ तक फैल गया। वास्तुकला की दृष्टि से छतरपुर का मंदिर एक अद्भुत मंदिर है क्योंकि इस मंदिर के पत्थर कवितायें दर्शाते हैं। 2005 में दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर बनने से पहले यह छतरपुर मंदिर भारत का सबसे बड़ा और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर हुआ करता था। इस मंदिर को पूरी तरह से संगमरमर से बनाया गया था और मंदिर की सभी जगहों पर जाली से काम करवाया गया था। इस तरह की वास्तुकला को वेसारा वास्तुकला कहा जाता है।

धर्म कर्म

मन्नत की चुनरी बांधें- कात्यायनी मां के भव्य मंदिर में जैसे ही आप प्रवेश करते हैं तो आपको एक बड़ा-सा पेड़ दिखाई देता है, जिसको सभी भक्तजनों ने अपने मन्नत की चुनरी, धागे, चूड़ी आदि से पूरा तरह ढंक दिया है। दरअसल एक मान्यता के अनुसार ऐसा करने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

70 एकड़ में फैला है मां का मंदिर- यह मंदिर 70 एकड़ में फैला है और 20 से अधिक छोटे और बड़े मंदिरों को तीन अलग-अलग परिसरों में विभाजित किया गया है। मंदिर परिसर में नवदुर्गा का एक शयनकक्ष है जहां एक बिस्तर, दोसारी मेज और नौ कुर्सियों के साथ एक मीटिंग टेबल होती है, जो सभी शुद्ध चांदी से बने हुए हैं। इस मंदिर के परिसर में अन्य मंदिर भी हैं जो भगवान गणेश, भगवान राम, भगवान हनुमान और भगवान शिव को समर्पित है।

आज का इतिहास

अन्य अहम घटनाएंः

1731 - बीजिंग में भूकंप से लगभग एक लाख लोग मरे।
1759 - दिल्ली के सम्राट आलमगिर द्वितीय की उसके मंत्री ने हत्या की।
1939 - तत्कालीन सोवियत रूस ने सीमा विवाद को लेकर फिनलैंड पर आक्रमण किया।
1961 - तत्कालीन सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिये कुवैत के आवेदन का विरोध किया।
1965 - गुड़ियों का संग्रहालय दिल्ली की स्थापना मशहूर कार्टूनिस्ट 'के. शंकर पिल्लई' ने की थी।
1997 - भारत-बांग्लादेश विवादित सीमा क्षेत्र में यथास्थिति बनाये रखने पर सहमत।
1999 - सं.रा. अमेरिका के उत्तर पश्चिम 'सिएटल' में विश्व व्यापार संगठन का तीसरा अधिवेशन प्रारम्भ।
2000 - अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव मामले में अल गोर ने पुनर्मतगणना की अपील की।
2001 - विश्व प्रसिद्ध पॉप गायक जार्ज हैरीसन का निधन।
2002 - आईसीसी ने जिम्बाव्वे में न खेलने वाले देशों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की चेतावनी दी।
2004 - बांग्लादेश की संसद में महिलाओं के लिए 45 प्रतिशत सीटों वाला विधेयक पारित।
2008- मुम्बई में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने संघीय जाँच एजेंसी के गठन की घोषणा की।

जन्म

1989 - भक्ति शर्मा - भारतीय तैराक हैं।
1944 - मैत्रेयी पुष्पा - हिंदी की प्रसिद्ध साहित्यकार हैं।
1936 - सुधा मल्होत्रा - हिन्दी फ़िल्मों की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका।
1931 - रोमिला थापर- भारतीय इतिहासकार।

निधन

2015 - वी. के. नायर - भूतपूर्व भारतीय सैन्य अधिकारी थे।
2014 - जारबोम गारलिन - भारतीय राजनीतिज्ञ और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे।
2012- इन्द्र कुमार गुजराल - भारत के बारहवें प्रधानमंत्री

'सेना की वर्दी में आस्था की संवैधानिक परिधि'

- डॉ सत्यवान सौरभ

भारतीय संविधान नागरिकों को धर्म का पालन, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है, परंतु यह स्वतंत्रता पूर्णतः निरपेक्ष नहीं है। विशेषकर उन सेवाओं में, जहाँ सामूहिक अनुशासन, पदानुक्रम, आज्ञापालन और इकाई-एकजुटता ही अस्तित्व की शर्तें हैं, वहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता का दायरा स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है। भारतीय सशस्त्र बल इसी श्रेणी में आते हैं, जहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा, युद्धक क्षमता और सामूहिक मनोबल किसी भी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद या धार्मिक व्याख्या से कहीं ऊपर रखे जाते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को उचित ठहराया जाना इस बात का प्रमाण है कि "आवश्यक धार्मिक आचरण" और "व्यक्तिगत धार्मिक व्याख्या" में स्पष्ट अंतर किया जाएगा, और वर्दी में रहते हुए यह अंतर और अधिक कठोर हो जाता है। यह निर्णय यह संकेत भी देता है कि सैन्य सेवा का मूल स्वर "सैकुलर यूनिट-कल्चर" पर आधारित है, जहाँ किसी भी धर्म की मान्यताएँ सम्मानित हैं, किंतु किसी एक धर्म की निजी व्याख्या रेजिमेंटल परंपराओं, आदेशों या सैन्य अनुशासन पर प्रभाव नहीं डाल सकती।

भारत जैसे बहुधर्मी समाज में सेना का चरित्र हमेशा से विशिष्ट रूप से धर्मनिरपेक्ष रहा है। एक ही पलटन में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और अन्य धर्मों के सैनिक कंधे से कंधा जोड़कर लड़ते हैं। उनकी एकता का आधार "धर्म" नहीं, बल्कि "रक्त संबंधी बंधुत्व" और "राष्ट्र के प्रति साझा निष्ठा" है। यही कारण है कि भारतीय सेना की रेजिमेंटल परंपराओं में धार्मिक रंग तो दिखते हैं, पर उनका उद्देश्य किसी विशेष धर्म का प्रचार नहीं, बल्कि सैनिक भावना, युद्धक मनोबल और ऐतिहासिक गौरव की निरंतरता को बनाए रखना होता है। उदाहरणस्वरूप कई रेजिमेंट अपने पारंपरिक युद्ध-नाद या शुभ प्रतीकों का उपयोग करती हैं, जो उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और युद्धों में प्रदर्शित वीरता की गवाही देते हैं।

किसी सैनिक के लिए धार्मिक आस्था उसका व्यक्तिगत अधिकार अवश्य है, पर जब वह वर्दी धारण करता है, तो वह व्यक्ति नहीं, राष्ट्र का प्रतिनिधि बन जाता है। सेना किसी सैनिक को किसी विशेष धार्मिक अनुष्ठान को त्यागने या नया अपनाने के लिए बाध्य नहीं करती, किंतु यह अपेक्षा अवश्य करती है कि भीतर की किसी निजी व्याख्या को सैनिक अपने कर्तव्यों, आदेशों या इकाई-परंपराओं से ऊपर न रखे। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी संदर्भ में स्पष्ट किया कि क्या कोई धार्मिक ग्रंथ वास्तव में किसी विशेष क्रिया को प्रतिबंधित करता है या यह केवल व्यक्ति की निजी धारणा है—यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है। "आवश्यक धार्मिक आचरण" वही होता है जो धर्म के मूलभूत स्वरूप का अंग हो, जिसे त्याग देने पर धर्म का स्वरूप ही बदल जाए। इसके विपरीत यदि कोई आचरण केवल व्यक्तिगत व्याख्या पर आधारित है, तो उसे सेवा-आवश्यकताओं से ऊपर नहीं रखा जा सकता। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि यदि किसी सैनिक को आदेश दिया जाए कि वह किसी आधिकारिक कार्यक्रम या परेड में भाग ले, और वह "धार्मिक कारणों" का हवाला देते हुए मना करे, तो उसकी इस असहमति के दो स्तरों की जाँच होगी—पहला यह कि क्या वह आचरण सचमुच धर्म-आवश्यक है? और दूसरा यह कि क्या उसका पालन रेजिमेंटल अनुशासन या सामूहिक मनोबल को प्रभावित करता है? यदि कोई सैनिक आदेश का पालन नहीं करता, तो वह केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता—वह पूरी संरचना के अनुशासन को चुनौती देने का कार्य बन जाता है। सेना में एक भी अस्वीकार उदाहरण चेन-ऑफ-कमांड को कमजोर करने का कारण बन सकता है, क्योंकि युद्धकालीन या संकट की परिस्थितियों में आदेशों का तुरंत पालन ही जीवन और मृत्यु का अंतर तय करता है।

सैन्य अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन नहीं है; यह मनोवैज्ञानिक एकजुटता और मानसिक तैयारी की वह अवस्था है जिसमें प्रत्येक सैनिक स्वयं को इकाई का अभिन्न घटक मानता है। धार्मिक आधार पर स्वयं को अलग करना या रेजिमेंटल परंपराओं से दूरी बनाना उस भावना को कमजोर कर सकता है। इसलिए न्यायालय और सैन्य नेतृत्व दोनों इस बात पर सहमत हैं कि "व्यक्तिगत विश्वास" और "व्यक्तिगत व्याख्या" का सम्मान तो किया जा सकता है, पर "व्यक्तिगत धार्मिक औचित्य" देकर सैन्य आदेशों का उल्लंघन न तो स्वीकार्य है, न ही वह किसी भी प्रकार "धर्म के अधिकार" के अंतर्गत आता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सेना किसी सैनिक को दूसरे धर्म के अनुष्ठानों में "भाग लेने" के लिए बाध्य नहीं करती, बल्कि केवल "उपस्थिति" या "प्रोटोकॉल" पूरा करने की अपेक्षा करती है। उदाहरणस्वरूप—यदि किसी कार्यक्रम में किसी देवी-देवता की प्रतिमा लाई जाती है या आशीर्वाद की औपचारिक प्रार्थना होती है, तो सैनिक को "उपस्थित" रहना होता है, "पूजा" करना अनिवार्य नहीं होता। यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सेना किसी की अंतःकरण-स्वतंत्रता का अतिक्रमण नहीं करती। सैनिक चाहे तो मन ही मन अलग विश्वास रख सकता है, पर वह सार्वजनिक रूप से असहमति दिखाकर अनुशासन को चुनौती नहीं दे सकता। सवाल यह है कि क्या सेना "उचित समायोजन" (Reasonable accommodation) कर सकती है? हाँ, पर इसकी सीमा वही है जहाँ तक वह सामूहिक हितों को प्रभावित न करे। कई बार सैनिकों को उनके धार्मिक त्यौहारों, पूजा-पद्धतियों या आहार-मान्यताओं के अनुसार उचित छूट दी जाती है। सेना में गुरुद्वारा, मंदिर, मस्जिद, चर्च आदि के लिए स्थान भी निर्धारित होते हैं। पर यह "धर्म-आधारित सुविधाएँ" तभी तक संभव हैं जब तक वे "सेवा के मूल कार्य" या "युद्धक आवश्यकताओं" से संघर्ष न करें। यदि किसी व्यक्तिगत आस्था का पालन इकाई की गतिविधियों, युद्ध-तैयारी या आदेशों में अवरोध डालता है, तो उसका समायोजन संभव नहीं होता। सैन्य अधिकारी के लिए दायित्व और भी अधिक कठोर हो जाते हैं। अधिकारी केवल आदेश का पालन करने वाला सैनिक नहीं होता—उसे दूसरों के लिए उदाहरण बनना होता है। यदि वह स्वयं आदेश मानने से इनकार करता है, और वह भी व्यक्तिगत धार्मिक कारणों का हवाला देकर, तो उसके अधीनस्थों का मनोबल प्रभावित होता है और अनुशासन के टूटने की संभावना बढ़ती है। इसलिए न्यायालय ने इसे "सबसे गंभीर प्रकार की अनुशासनहीनता" माना। न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि कोई अधिकारी निजी धार्मिक व्याख्या को सेवा के ऊपर रखता है, तो वह स्पष्ट रूप से यह प्रदर्शित करता है कि वह वर्दी की माँगों के अनुरूप स्वयं को ढालने में असमर्थ है।

धर्म और सैन्य अनुशासन के संबंध में एक और महत्त्वपूर्ण प्रश्न है—क्या "धार्मिक स्वतंत्रता" सैनिक की पहचान है या उसकी प्राथमिक पहचान "राष्ट्र-सेवक" होना है? भारतीय सेना का चरित्र सदैव "धर्म-निरपेक्ष पेशेवरिता" पर आधारित रहा है। सैनिक का प्राथमिक धर्म "कर्तव्य" है—"धर्मनिष्ठा" नहीं। इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके व्यक्तिगत धार्मिक जीवन को दबा दिया जाए; बल्कि यह है कि वर्दी में रहते हुए उसका धर्म "राष्ट्र-धर्म" बन जाता है। व्यक्तिगत आस्था उसकी निजी सीमा में सुरक्षित रहती है, और सेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी सैनिक अपने धर्म के कारण न तो उपेक्षित महसूस करे, न ही उसे विशिष्ट विशेषाधिकार मिले।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

कांग्रेस ने साजिश कर सरदार पटेल का नाम इतिहास से मिटाने का काम किया : जे.पी. नड्डा

वडोदरा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को कहा, "कांग्रेस ने साजिश के तहत सरदार पटेल का नाम इतिहास से मिटाने का काम किया।" जवाहरलाल नेहरू ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू कर एक समस्या खड़ी कर दी थी, जिससे वहां भारतीय कानून प्रभावी नहीं हो पाते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इच्छाशक्ति और गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति से इस अनुच्छेद को हटाकर सरदार पटेल के अखंड भारत के स्वप्न को साकार किया गया। नड्डा आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्मजयंती के अवसर पर आयोजित यात्रा को लेकर गुजरात के वडोदरा के अटलादरा स्थित स्थल पर सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने साजिश के तहत सरदार पटेल का नाम इतिहास से मिटाने का काम किया। उनके अंतिम संस्कार में भी कई वरिष्ठ नेताओं को शामिल होने से रोका गया, ताकि उनका नाम इतिहास में उन लिखा जा सके।" सभा में नड्डा के संबोधन के बीच सुरक्षा में तैनात एक गार्ड अचानक बेहोश होकर गिर गया, जिससे कुछ देर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, प्राथमिक उपचार के बाद गार्ड अब पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित बताया गया है। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्मजयंती के अवसर पर करमसद (करमसद) से शुरू हुई 'सरदार @150 राष्ट्रीय एकता यात्रा' आज वडोदरा शहर में प्रवेश कर गई। इस यात्रा के शहर में पहुंचते ही विभिन्न समाजों और धार्मिक संस्थाओं द्वारा जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया। सेवासी, गोट्री, तांदलजा और अटलादरा ब्रह्माकुमारी केंद्र से होते हुए इस यात्रा ने भव्य रूप लिया। अटलादरा स्वामीनारायण मंदिर में यात्रा का विशेष स्वागत किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल,गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा, मंत्री पियुष गोयल सहित कई वरिष्ठ नेता रैली के साथ पहुंचे।

नड्डा ने कहा कि जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर में धारा 370 लागू कर एक समस्या खड़ी कर दी थी, जिससे वहां भारतीय कानून प्रभावी नहीं हो पाते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इच्छाशक्ति और गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति से इस अनुच्छेद को हटाकर सरदार पटेल के अखंड भारत के स्वप्न को साकार किया गया। उन्होंने सरदार पटेल को याद करते हुए कहा कि सरदार पटेल केवल राष्ट्र के हीरो नहीं, बल्कि एक 'राष्ट्रीय पुरुष' थे। उन्होंने 562 रियासतों को भारत संघ में जोड़कर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की नींव रखी, जिसे आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगी। उन्होंने बैरिस्टर होने के बावजूद किसानों के साथ खड़े रहकर अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में संघर्ष किया और न्याय दिलाया। अहमदाबाद के विक्टोरिया गार्डन का नाम बदलकर लोकमान्य तिलक गार्डन भी उन्होंने ही रखा था। गांधीजी के आह्वान पर उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रहित में समर्पित कर दिया।

नड्डा ने कहा, "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों की एकता और भावना का प्रतीक है।" उन्होंने बताया कि देश के हर गांव से सरदार पटेल की पवित्र मिट्टी लाकर केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया गया, जिसकी ऊँचाई 182 मीटर है और यह दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा है। उन्होंने कहा, "आज कांग्रेस नेता रिजर्वेशन की बात करते हैं, लेकिन 5 अगस्त 2020 से पहले कश्मीर में कोई रिजर्वेशन लागू नहीं था। अब लोगों को विधानसभा में प्रतिनिधित्व मिल रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि नेहरू ने कश्मीर में एक नासूर पैदा कर दिया था, जिसे मोदी सरकार ने खत्म किया और सरदार पटेल को सही सम्मान और स्थान दिलाने का काम किया। एकता यात्रा के वडोदरा में प्रवेश से पूरे शहर में युवाओं और नागरिकों में जोश और उमंग का माहौल देखा गया। स्वागत समारोह में हजारों की संख्या में लोग जुटे और सरदार पटेल के 'अखंड और मजबूत भारत' के नारे गूंजते रहे।

हिमाचल में बदलेगा मौसम, 4 व 5 दिसंबर को बर्फबारी का अनुमान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार बढ़ रही ठंड और सूखे मौसम के बीच आने वाले दिनों में मौसम के करवट बदलने के संकेत मिल रहे हैं। 4 और 5 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राज्य के मौसम में बड़ा बदलाव होने का अनुमान है। इस दौरान उच्च व मध्यपर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि 3 दिसम्बर तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। 4 दिसंबर को ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारी की शुरुआत होगी, जबकि 5 दिसंबर को मध्य व उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने की संभावनाएं हैं।

शिमला और मनाली जैसे हिल स्टेशन में भी सीजन की पहली बर्फबारी हो सकती है। राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों लाहौल-स्पीति, किन्नौर व अन्य जनजातीय इलाकों में न्यूनतम तापमान लगातार माइनस में बना हुआ है। हिमाचल का सबसे ठंडा स्थान लाहौल स्पीति जिला का ताबो रहा, जहां न्यूनतम तापमान आज माइनस 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं कुकुमसेरी में पारा माइनस 4.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इन इलाकों में कड़ाके की ठंड ने सामान्य जनजीवन पर असर डाला है और लोगों को भीषण शीतलहर का सामना करना पड़ रहा है। इस बार मौसम का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि निचले मैदानी क्षेत्र पहाड़ों की तुलना में ज्यादा ठंड महसूस कर रहे हैं। हमीरपुर में बीती रात तापमान 4.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.9 डिग्री कम है। इसी तरह ऊना में पारा 6.7 डिग्री, बिलासपुर में 6.5 डिग्री, कांगड़ा में 5.3 डिग्री, मंडी में 4.6 डिग्री, नाहन में 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी शिमला का न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री रहा।

दिलचस्प बात यह है कि शिमला जैसे हिल स्टेशन से नीचे हमीरपुर, ऊना, बिलासपुर, मंडी और कांगड़ा कहीं अधिक ठंडे दर्ज किए गए। राज्य में कई क्षेत्रों में सुबह-शाम कोहरा छाने लगा है। शनिवार सुबह मंडी जिले में घने कोहरे के कारण दृश्यता 100 मीटर तक सीमित हो गई, जिससे वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ी। मौसम विभाग ने अगले दो दिन यानी 30 नवंबर और 1 दिसंबर को निचले और मैदानी इलाकों के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट खासकर मंडी और बिलासपुर जिलों के लिए जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों से सुबह-शाम यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की है। नवंबर माह में बारिश न होने के चलते राज्य में सूखी ठंड लगातार लोगों को परेशान कर रही है। इस महीने औसत वर्षा सामान्य से 93 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। आखिरी बार नवंबर के पहले सप्ताह में हिमाचल में हल्की बारिश व बर्फबारी हुई थी। इसके बाद से आसमान पूरी तरह साफ बना हुआ है, जिससे रात के तापमान में तेजी से गिरावट आई है। मौसम केंद्र शिमला के अनुसार राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा और बीते 24 घंटों में इसमें 0.1 डिग्री की गिरावट आई है।

संक्षिप्त खबरें

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आज कुरुक्षेत्र का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 30 नवंबर को हरियाणा के कुरुक्षेत्र का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के मुताबिक उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), कुरुक्षेत्र के 20वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेंगे। वे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के साथ-साथ कुरुक्षेत्र में हो रहे अखिल भारतीय देवस्थानम सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर भी शामिल होंगे।

फ्लेक्स लगा रहे युवक को हाईटेंशन लाइन से लगा झटका

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शनिवार दोपहर को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां जेपी नगर क्षेत्र में करीब 15 फीट ऊंचाई पर फ्लेक्स लगा रहे एक युवक को बिजली करंट का झटका लगा और वह नीचे जमीन पर आ गया। करंट लगने से वह झुलस गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। हादसे के बाद मौके पर भीड़ लग गई। इस दौरान ट्रैफिक जाम भी हो गया। जानकारी अनुसार घटना शनिवार दोपहर साढ़े बारह बजे की है। जेपी नगर में बिजली कंपनी ऑफिस के सामने सड़क किनारे पोल पर एक युवक फ्लेक्स लगा रहा था। युवक लोहे के फ्रेम पर फ्लेक्स लगा रहा था। इसी पोल के ऊपर से हाईटेंशन लाइन भी गुजर रही है। तभी युवक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और उसे तेज करंट लग गया। इससे वह कुछ देर तक फ्रेम के बीच में ही तड़पता रहा। इसके बाद नीचे गिर गया। युवक को करंट लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मुख्य सड़क पर जाम की स्थिति भी बन गई। तुरंत युवक को ऑटो के जरिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

श्रीनगर के प्रताप पार्क में एक लड़की ने लगाई खुद को आग

श्रीनगर। शनिवार दोपहर श्रीनगर के प्रताप पार्क में एक जवान लड़की ने खुद को आग लगा ली। चश्मदीदों ने बताया कि लड़की ने खुद को आग लगाने की कोशिश करते हुए खुद पर कोई ज्वलनशील चीज़ डाली और आग लगा ली जिससे भीड़भाड़ वाले पार्क एरिया में दहशात फैल गई। आस-पास खड़े लोग उसे बचाने के लिए दौड़े और आग बुझाई और उसे जलने की चोटों के साथ पास के अस्पताल ले जाया गया। लड़की की पहचान की जा रही है।घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू की कि किन हालात में यह दुखद घटना हुई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़की प्रताप पार्क में खुद को आग लगाने के बाद जल गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आबकारी टीम से मारपीट के दो आरोपित गिरफ्तार

रायगढ़। पुसौर थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली में अवैध शराब के खिलाफ की जा रही रेड के दौरान आबकारी टीम से हुज्जतबाजी और मारपीट करने वाले बोटलाल सिदार और छोटे लाल सिदार को पुसौर पुलिस ने आज शनविार को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए रिमांड पर भेज दिया है। पुलसि से प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 11 सितंबर 2025 की है, जब आबकारी उपनिरीक्षक याजेन्द्र कुमार मेहर अपने स्टाफ के साथ मुखबिर सूचना पर शराब रेड करने बरपाली पहुंचे थे। कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने तलाशी से इंकार करते हुए कौन शिकायत किया कहकर टीम से बहस की, जिसके बाद अन्य लोग भी उनके साथ शामिल होकर हो-हल्ला करने लगे और आबकारी मुख्य आरक्षक लालसिंह कंवर के साथ धक्का-मुक्की एवं हाथापाई की। मामले में आबकारी उप निरीक्षक याजेन्द्र कुमार मेहर द्वारा लिखित शिकायत दर्ज कराए जाने पर पुसौर थाना में अपराध क्रमांक 249/2025 धारा 296, 351(2), 221, 121(1), 132, 127, 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। विवेचना में आरोपितों पर धारा 115(2) बीएनएस भी बढ़ाई गई है। फरार चल रहे दोनों आरोपित बोटलाल सिदार (42) और छोटे लाल सिदार (34), निवासी ग्राम बरपाली, को आज पुसौर पुलिस ने गरिफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद रिमांड पर भेज दिया है।

कमलनाथ ने मध्य प्रदेश की वेयरहाउसिंग व्यवस्था को लेकर सरकार पर बोला हमला

भोपाल। मप्र वेयरहाउसिंग का ढांचा बुरी तरह चरमरा गया है। हालत यह है कि प्रदेश के 7000 से ज्यादा निजी वेयरहाउस संचालकों को किराए तक का भुगतान नहीं हो रहा है। कई संचालक तो ऐसे हैं जिन्हें वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन ने तीन-तीन साल से एक रुपए का भी भुगतान नहीं किया है। कई वेयरहाउस बैंकों द्वारा एनपीए घोषित हो चुके हैं और कई होने की कगार पर हैं। मध्य प्रदेश की वेयरहाउसिंग व्यवस्था की स्थिति को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। दरअसल कमलनाथ ने शनिवार को उक्त बातें सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने मार्कफेड, सिविल सप्लाई निगम और नेफेड जैसी एजेंसियों के माध्यम से निजी वेयरहाउस लिए, लेकिन किराया और भुगतान रोक दिया। लोगों ने सरकार पर भरोसा करके जमीन गिरवी रखकर करोड़ों के वेयरहाउस बनाए थे। अब तीन-तीन साल से पैसा न मिलने के कारण वे बैंक के कर्ज में डूब चुके हैं। कई मालिक अपने घर, जमीन और जेवर बेचकर ईएमआई भर रहे हैं और फिर भी कर्ज बढ़ता ही जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आगे कहा कि पूरे प्रदेश में 8600 से अधिक वेयरहाउस हैं, जिनकी कुल क्षमता 4.20 करोड़ मीट्रिक टन है, लेकिन सरकार ने सिर्फ 79.57 लाख मीट्रिक टन का ही उपयोग किया। यानी सरकार ने गोदाम खाली छोड़ दिए, और जिन लोगों ने करोड़ों लगाकर यह व्यवस्था खड़ी की, उन्हें बर्बाद होने के लिए छोड़ दिया। न भुगतान कर रही है, न गोदाम खाली कर रही है और न कोई स्पष्ट नीति बना रही है। एक वेयरहाउस मालिक बताते हैं कि उन्होंने सरकार के भरोसे कर्ज लेकर बड़ा गोदाम बनाया। सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि पाँच साल तक लगातार भंडारण मिलेगा, लेकिन सच्चाई यह है कि तीन साल से सरकार की तरफ से एक रुपया तक नहीं मिला। अब बैंक नीलामी की नोटिस भेज रहा है। यह स्थिति सरकार की नीतियों और गैरजिम्मेदारी का ज्वलंत उदाहरण है। दूसरे मालिक बताते हैं कि उनका आधा गोदाम खाली पड़ा है, जो हिस्सा भरा है, उसका भी किराया महीनों से नहीं मिला। किश्तें अटक गई हैं, कर्ज बढ़ गया है और उनका पूरा व्यवसाय ठप हो गया है। सरकार न तो वेयरहाउस खाली कर रही है न भुगतान कर रही है और न समाधान बता रही है। कमलनाथ ने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि जब देश में भंडारण की जरूरत बढ़ रही है तब मध्यप्रदेश में हजारों वेयरहाउस ताले डालकर खड़े हुए हैं। प्याज भंडारण का पैसा भी अटका है। 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान सरकार ने रोक रखा है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं बल्कि एक आर्थिक दुर्घटना है जिसे सरकार ने खुद पैदा किया है।

महाराष्ट्र : 111 करोड़ रुपये हड़पने की कोशिश में नगर पंचायत प्रमुख गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के विक्रमगढ़ में पुलिस ने 111 करोड़ रुपये हड़पने की कोशिश करने वाले स्थानीय शासी निकाय के अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार जाली दस्तावेज जमा करके 111 करोड़ रुपये हड़पने की स्थानीय शासी निकाय के अध्यक्ष की कोशिश को सार्वजनिक क्षेत्र के एक प्रमुख बैंक के सतर्क अधिकारियों ने नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी नीलेश उर्फ पिंका रमेश पडवाले विक्रमगढ़ नगर पंचायत का अध्यक्ष है, और वह ओ वी कंस्ट्रक्शन कंपनी का भी मालिक है। उन्होंने बताया कि उसे शुक्रवार को पड़ोसी ठाणे से गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि कथित गबन की साजिश के बारे में सात नवंबर को पता चला, जब निर्माण कंपनी के नाम पर 111.63 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जारी करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का एक फर्जी अनुरोध पत्र भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की जौहर शाखा में प्रस्तुत किया गया। मांग पत्र और साथ में दिए गए चेक पर पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता और लेखाकार के कथित हस्ताक्षर थे। अधिकारी ने बताया कि पत्र की जांच के दौरान बैंक अधिकारियों को संदेह हुआ, क्योंकि उन्हें इसमें कई विसंगतियां मिलीं, जिनमें 'करोड़' के स्थान पर 'बिलियन' शब्द का इस्तेमाल भी शामिल था। अधिकारी ने बताया कि बैंक कर्मचारियों ने पहले ईमेल के जरिए अनुरोध की पुष्टि करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि इसके बाद एक कर्मचारी खुद जौहर पीडब्ल्यूडी कार्यालय गया, जहां अधिकारियों ने विरोधाभासी जवाब दिए।

चक्रवाती तूफान दित्वा के खतरों को लेकर तमिलनाडु में तैयारियां

4 जिलों के लिए रेड अलर्ट

चेन्नई। चक्रवाती तूफान दित्वा के कारण शनिवार को तमिलनाडु के 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे 'दित्वा' चक्रवात के कारण तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। मौजूदा स्थिति के अनुसार चक्रवात श्रीलंका के त्रिक्कूनमलई से लगभग 80 किमी उत्तर-पश्चिम, श्रीलंका के मतकल्पाईगुरु से 190 किमी उत्तर-पश्चिम, करैकाल से 220 किमी दक्षिण-पूर्व, पुडुचेरी से 330 किमी दक्षिण-पूर्व और चेन्नई से 430 किमी दक्षिण में केंद्रित है। मौसम विभाग ने कहा है कि यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा और इसके कारण 30 नवंबर की सुबह उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और आसपास के आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में भूस्खलन हो सकता है। जैसे-जैसे यह तामिलनाडु की ओर बढ़ रहा है, यहां भी बारिश बढ़ रही है। विशेष रूप से चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कडलूर और मैलाडुतुरई जिले को रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा 14 जिलों को ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। इनमें चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर, रानीपेट्टई, पुदुक्कोट्टई,

तंजावुर, नागपट्टिनम, अरियालूर और तिरुवरूर जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। हवाई सेवाओं पर भी इसका खासा प्रभाव पड़ा है। चेन्नई में 54 हवाई सेवाएँ रद्द की गई हैं। इसी तरह तूतुकुडी में हवाई सेवाएँ रद्द कर दी गई हैं। तामिलनाडु के कई जिलों में स्कूलों में छुट्टियाँ घोषित की गई हैं, जबकि कुछ जिलों के कॉलेजों में भी छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। पुदुचेरी सहित कुछ क्षेत्रों में विश्वविद्यालय परीक्षाएँ भी स्थगित कर दी गई हैं।

रेलवे ने पार्सल स्थान पट्टे पर देने और एग्रीगेटर पंजीकरण के मानदंड किए सरल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने पार्सल व्यवसाय में अधिक भागीदार जोड़ने के लिए एग्रीगेटर पंजीकरण से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण शर्त- न्यूनतम 50 लाख रुपये के वार्षिक कार्यभार को समाप्त कर दिया है। साथ ही पंजीकरण का शुल्क भी 20 हजार रुपये से घटाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया है। इन बदलावों से छोटे और मध्यम स्तर के परिवहनकर्ताओं के लिए इस क्षेत्र में प्रवेश काफी आसान हो गया है। रेलवे बोर्ड के परिपत्र के अनुसार पार्सल स्थान की ई-नीलामी तथा एग्रीगेटर के रूप में पंजीयन के वित्तीय मानदंडों में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। पार्सल स्थान को पट्टे पर देने और एग्रीगेटर पंजीकरण के लिए आर्थिक मानदंडों में व्यापक ढील दी गई है। अब एग्रीगेटर के रूप में पंजीकरण के इच्छुक आवेदकों के लिए कारोबार का कोई न्यूनतम सीमा संबंधी प्रावधान लागू नहीं होगा। नामांकन शुल्क में कमी से भी नए भागीदारों के लिए वित्तीय बोझ कम होगा। इसके साथ ही पार्सल कार्गो एक्सप्रेस रेल सेवा (पीसीईटी) की खुली निविदाओं में भाग लेने के लिए केवल पंजीकृत पट्टाधारी की योग्यता पर्याप्त मानी जाएगी, जबकि पिछले वर्षों के कारोबार की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। रेलवे ने सभी जोनों और मंडलों को निर्देश दिया है कि इन संशोधित दिशानिर्देशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक इच्छुक परिवहनकर्ता और एग्रीगेटर पार्सल सेवा से जुड़ सकें और रेलवे के पार्सल कारोबार में वृद्धि हो सके।

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय ने शुरू की दस्तावेजों तक रिमोट एक्सेस की सुविधा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) ने अपने दुर्लभ दस्तावेजों की पहुंच दूर तक पहुंचने के लिए रिमोट एक्सेस की सुविधा शुरू की है। इस सुविधा से अब भारतीय इतिहास पर शोध करने वाले छात्र संस्थान के ढाई करोड़ से भी ज्यादा दस्तावेजों को देख सकेंगे। इसके लिए एक नया आईटी प्लेटफॉर्म बनाया गया है। शोधार्थियों को इस प्लेटफॉर्म पर पहले पंजीकरण करना होगा और फिर जिन दस्तावेजों को वे देखना चाहते हैं, उनका अनुरोध करना होगा। मंजूरी मिलने के बाद दस्तावेज़ उनके कंप्यूटर पर केवल देखने के लिए उपलब्ध कराए जाएँगे। उन्हें अब पीएमएमएल के दफ्तर आने की ज़रूरत नहीं होगी उल्लेखनीय है कि पीएमएमएल में आज़ादी के बाद सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़े दस्तावेज और सामग्री रखी गई है। यहाँ 1300 से अधिक व्यक्तियों और संस्थाओं के कुल 2.5 करोड़ से भी ज्यादा दुर्लभ दस्तावेज सुरक्षित हैं। आधुनिक और समकालीन भारतीय इतिहास पर शोध करने वाले विद्वान इनके उपयोग के लिए यहाँ आते हैं। यहां रखे

दुर्लभ दस्तावेजों में पत्र, भाषण, डायरी, अखबार की कटिंग को सुरक्षित रखने और शोधार्थियों तक पहुँचाने के लिए एक बड़ा डिजिटलीकरण अभियान चलाया गया था। इस अभियान के तहत ज्यादातर ज़रूरी दस्तावेज डिजिटल रूप में बदलकर सिस्टम में डाल दिए गए हैं और अब शोधार्थी उन्हें ऑनलाइन देख सकते हैं। पीएमएमएल के निदेशक अश्विनी लोहेनी ने शनिवार को बताया कि डिजिटल आर्काइव्स की यह शुरुआत तकनीक का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने और शोधार्थियों को घर बैठे जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह सुविधा शोधकर्ताओं के लिए बहुत मददगार साबित होगी और देश की ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राजस्थान में बारिश के बाद बढ़ी ठंड, कई जिलों में कोहरे का येलो अलर्ट

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में हुई बारिश के बाद सर्दी ने अपने तेवर तीखे कर दिए हैं। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार से पूरे प्रदेश में ठंड और बढ़ेगी। विशेष रूप से भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद सहित पांच जिलों में शनिवार और रविवार को घना कोहरा छाने की आशंका जताई गई है। एक दिसंबर से प्रदेश में उत्तरी हवाएं तेज होने लगेंगी, जिसके साथ ही शीतलहर का दौर शुरू हो जाएगा। दो दिसंबर को सीकर, चूरू, झुंझुनूं और नागौर में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में जयपुर, सीकर समेत कई इलाकों में हल्की बारिश हुई, जिसके बाद मौसम में ठंडक बढ़ गई। बादल छाए रहने के कारण दिन का तापमान कम रहा, जबकि शाम होते ही ठंडी हवा चलने लगीं। शुक्रवार को सिरोही प्रदेश का सबसे ठंडा

जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान मात्र 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा। करौली, डूंगरपुर, नागौर, बारां, श्रीगंगानगर, चूरू सहित विभिन्न शहरों में भी तापमान सामान्य से नीचे रहा। बादल छाने के चलते रात का तापमान कई जगहों पर बढ़ा हुआ मिला। अलवर, फतेहपुर और करौली को छोड़कर लगभग सभी शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। जालोर, प्रतापगढ़, झुंझुनूं, नागौर, कोटा और चित्तौड़गढ़ में भी रात का पारा सामान्य से अधिक रहा। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हुई पहली मावठ ने सर्द मौसम की शुरुआत को बढ़ा दिया। सुबह के समय कोहरा छाने लगा है और जगह-जगह लोग अलाव तापते नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद और टोंक जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। दिसंबर के पहले सप्ताह में शीतलहर के सक्रिय होने की पूरी संभावना जताई जा रही है। उत्तर भारत में बर्फबारी और उत्तरी हवा के तेज होने के कारण आने वाले दिनों में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखी जा सकती है। न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट के साथ प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर शुरू होगा, इसलिए लोगों को ठंड से बचाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 12 बांग्लादेशी और 1 भारतीय गिरफ्तार

बिना वैध दस्तावेज भारत में रहने का आरोप

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पुलिस ने 12 बांग्लादेशी नागरिकों को कथित रूप से भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनके साथ एक भारतीय नागरिक को भी हिरासत में लिया गया है, जिस पर इन लोगों की गैरकानूनी घुसपैठ में मदद करने का आरोप है। यह कार्रवाई शुक्रवार रात की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार भारतीय की पहचान सेबर अली के रूप में हुई है, जो बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से शरण देता था। गुप्त सूचना के आधार पर इसलामपुर इलाके के हुरशी ग्राम पंचायत के गोपालपुर गांव में छापेमारी की गई और सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों के पास भारत में रहने का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस को जानकारी मिली है कि ये लोग सेबर अली की मदद से गांव में रह रहे थे। अब यह पता लगाने के लिये जांच शुरू हो गई है कि वे पश्चिम बंगाल क्यों आए, कब से यहां रह रहे थे और क्या कोई और भी इनके साथ आया था या कहीं और छिपा हुआ है। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों के नाम हैं: मोहम्मद अउल (25), अब्दुल खालेक (38), सुमन अली (30), सुकुद्दीन (26), खाबिर (19), शाहिदुल (35), मोहम्मद सब्बीर (22), मोहम्मद जियाउरुल हक (38), मजदर अली (36), मोहम्मद खैरुल (27), मोहम्मद रोनी (23) और रूहुल अमीन (34)। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुल 12 बांग्लादेशी और एक भारतीय को गिरफ्तार किया गया है। सभी को शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा और पुलिस हिरासत के लिए 10 दिन की मांग की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि यह जांच भी चल रही है कि वे भारत में किस रास्ते से आए और कितने समय से यहां रह रहे थे।

बिना चिंता कराएं इलाज, सरकार करेगी भरपूर आर्थिक मदद : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को "जनता दर्शन" में आए लोगों को आश्वासन दिया कि वे बिना किसी चिंता के इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वह बिना किसी चिंता के बेहतर अस्पतालों में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी। योगी ने कहा कि ऐसे लोगों के उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था राज्य सरकार करेगी। योगी ने इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश भी दिया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके अनुमानित खर्च की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद शनिवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित सभा में प्रत्येक व्यक्ति की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपे। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है, प्रत्येक समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। योगी ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन पर कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए कि यदि कोई पात्र व्यक्ति सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

20 दिसंबर तक पूर्ण कर लें खिचड़ी मेले से जुड़े सभी कार्य : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले से जुड़े सभी कार्य 20 दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण कर लिए जाएं। खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सहूलियत प्राथमिकता होनी चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि श्रद्धालुओं को कहीं कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार पूर्वाह्न गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में खिचड़ी मेला की तैयारियों को लेकर महापौर और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेले से न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश वरन बिहार, नेपाल से लगायत देश-दुनिया के सनातन मतावलंबियों की आस्था जुड़ी है।

इसके दृष्टिगत मेले में सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जाये जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। दूरदर्शन व आकाशवाणी के जरिए मेले का सजीव प्रसारण किया जाएगा ताकि वे लोग भी मेले में वर्चुअल सहभागी हो सकें जो किंचित कारणों से इसमें शामिल नहीं हो पा रहे हों। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की तरफ से खिचड़ी मेला को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो भी कार्य शेष रह गए हैं, उन्हें शीघ्रता से पूरा कर लिया जाए। ध्यान रहे सभी कार्य 20 दिसंबर तक पूरे हो जाने चाहिए। सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने खिचड़ी मेला में स्वच्छता और सफाई पर खास ध्यान देने के साथ इस मेले को जीरो वेस्ट इवेंट बनाने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र मे पर्याप्त स्थायी एंव अस्थायी प्रकाश व्यवस्था भी कराएं। उन्होंने कहा कि समय रहते मंदिर मार्ग की सभी स्ट्रीट लाइट का परीक्षण कर कोई दिक्कत मिलने पर उसे दुरुस्त कर लिया जाए।

अखिलेश यादव को कहिए बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर ले : केशव प्रसाद मौर्य

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव के हालिया बयानों पर तंज कसते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली हार से तनाव में है। उनकी राजनीति भी खत्म हो रही है।

उनसे कहिए कि बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन कर लें। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वो बिहार में कहे थे कि अवध में भाजपा को हराए है और मगध में भी हराएंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिछले चुनावों में कई राज्यों में भाजपा जीती। बिहार में शानदार प्रदर्शन रहा। अब पश्चिम बंगाल में व्याप्त जंगलराज खत्म करना है। एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी आए उपमुख्यमंत्री ने मीडिया से बात में कहा कि 2024 में गुब्बारे में एक्सीडेंटल हवा भर गई थी। वे कुछ सीटें जीत गए थे। चर्चित कोडीनयुक्त कफ सिरप प्रकरण से जुड़े सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले की गहराई से जांच हो रही है। पूरा मामला सरकार के संज्ञान में है। जो भी दोषी है उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाही होगी। घुसपैठियों के प्रश्न में मौर्य ने कहा कि विपक्षियों की आंखों पर तुष्टिकरण का चश्मा लगा है। लिहाजा, वे अनर्गल बयान दे रहे हैं। एसआईआर के सवाल पर उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण लोकतंत्र का महान कार्य है। हम इसका समर्थन करते है। एसआईआर का समय बढ़ाने की मांग पर, उन्होंने कहा कि विरोधी दल चुनाव आयोग के पास जाए। चुनाव आयोग को जो उचित लगेगा वह करेगा।

यह सरकार का विषय नहीं है। दालमंडी सड़क चौड़ीकरण मामले में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि काशी के विकास के लिए यह जरूरी है, किसी के साथ दोहरा व्यवहार नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का मॉडल काशी में देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त है। कांग्रेस सरकारों ने पिछले 60 साल में जो काम नहीं हुए।

बुखार से एक ही परिवार के 3 बच्चों की मौत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच शुरू की

कुशीनगर । कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया के ढोलहा गांव में दो दिन के भीतर बुखार से पीड़ित एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि गांव में शिविर लगाकर जांच शुरू कर दी गई है और बच्चों की मौत के कारणों की भी जांच की जा रही है। इस संबंध में नेबुआ नौरंगिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रभारी डॉ. रंजन कुमार मौर्य ने बताया कि टीम पिछले दो दिनों से शिविर लगाकर बच्चों की जांच व उपचार कर रही है। मौत के कारणों की पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

डॉ. आफताब व फार्मासिस्ट मुश्ताक अंसारी के नेतृत्व में टीम ने गांव में शिविर लगाकर 57 बच्चों की जांच की। बुखार, मलेरिया व डेंगू की जांच के साथ आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। टीम ने प्रभावित घरों के आसपास दवा व ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर स्वच्छता रखने की अपील की। इसके पहले ढोलहा गांव के गुलहरिया टोला निवासी पिंटू गौड़ की सात वर्षीय बेटी मंजू पिछले एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित थी। झोलाछाप डॉक्टर के उपचार से लाभ न मिलने पर परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां बुधवार देर रात उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद तीन वर्षीय दूसरी बेटी खुशी की तबीयत बिगड़ने पर उसे भी जिला मुख्यालय ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर किया, जहां शुक्रवार की भोर में उसकी भी मौत हो गई। इधर पिंटू के बड़े भाई दशरथ के पांच वर्षीय पुत्र कृष्णा को भी तेज बुखार होने पर शुक्रवार सुबह पडरौना ले जाया जा रहा था कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी होते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में डेरा डालकर जांच शुरू कर दी।

बीएलओ, लेखपाल से अभद्रता के आरोप में ग्राम प्रधान, उसके पिता गिरफ्तार

रायबरेली। सलोन कोतवाली क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत गणना प्रपत्र भरवाते समय महिला बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और लेखपाल के साथ एक ग्राम प्रधान और उसके पिता ने कथित तौर पर अभद्रता की तथा उनके कार्य में बाधा उत्पन्न की। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के पूरे अहिरन मोहद्दी नगर मजरे पाल्हीपुर गांव में महिला बीएलओ से अभद्रता की सूचना मिलने पर एसडीएम मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस अधिकारियों को दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने कर्मचारी की शिकायत पर आरोपी प्रधान और उसके पिता के विरुद्ध मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अपनी शिकायत में बीएलओ आरती यादव ने बताया कि शुक्रवार की शाम वह पूरे अहिरन मोहद्दी नगर मजरे पाल्हीपुर में मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरवा रही थीं, तभी ग्राम प्रधान दीपक यादव अपने पिता कृष्णा यादव के साथ वहां पहुंचे और प्रपत्र फाड़ दिए। उन्होंने बीएलओ व लेखपाल अविनाश से अभद्रता की। किसी तरह से दोनों कर्मचारी गांव से निकल सके। कर्मचारियों ने घटना की जानकारी अधिकारियों को दी। एसडीएम सलोन चंद्र प्रकाश मौके पर पहुंचे और लोगों से जानकारी ली। सलोन के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) यादवेंद्र बहादुर पाल ने बताया कि गांव में बीएलओ व लेखपाल द्वारा एसआइआर फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही थी।

ग्राम प्रधान दीपक यादव और उनके पिता कृष्णा यादव ने लेखपाल व बीएलओ से अभद्रता करते हुए प्रपत्रों को फाड़ दिया और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। सीओ ने बताया कि इस संबंध में सलोन कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दीपक यादव व उनके पिता कृष्णा यादव को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

27 पंचायत सहायकों की एसआईआर कार्य में लापरवाही बरतने पर सेवा समाप्त

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) में लापरवाही बरतने वालों पर प्रशासन सख्त एक्शन लिया है। जहां ग्राम पंचायत स्तर पर चल रहे एसआईआर काम में रुचि न लेने पर जनपद के चारों ब्लाकों में 27 पंचायत सहायकों की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश डीपीआरओ ने एडीओ पंचायत को दिए हैं।

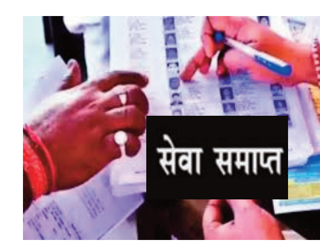

जिला पंचायती राज अधिकारी चंद्रकिशोर वर्मा ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण विकास विभाग की ऑनलाइन मीटिंग में सीडीओ बलराम कुमार ने सभी ब्लॉकस्तरीय अधिकारियों और पंचायत सचिवों को एसआईआर से संबंधित जिम्मेदारियां सौंपी हैं। एसआईआर कार्य में सहयोग के लिए बीएलओ की सहायता के लिए पंचायत सहायकों को बूथ पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। सीडीओ के निर्देश पर पंचायत सहायकों की उपस्थिति के बारे में जानकारी लेने पर जिलेभर के 27 पंचायत सहायक कार्यस्थल से अनुपस्थित पाए गए। जिनमें चरखारी ब्लॉक की चार ग्राम पंचायतों ,कबरई और जैतपुर ब्लॉक की छह-छह ग्राम पंचायतों, व पनवाड़ी ब्लॉक की 11 ग्राम पंचायतों के पंचायत सहायकों की सेवा समाप्ति के प्रस्ताव एडीओ पंचायत को तीन दिनों में ग्राम पंचायत स्तर पर भेजने के आदेश दिए गए हैं।प्रशासन के कड़े रुख से गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे अन्य कर्मियों में हड़कंप मच गया है। जिले भर में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्य में लगाए गए बूथ लेबल ऑफिसर (बीएलओ) के सहयोग के लिए ग्राम प्रधान, कोटेदार,पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, समेत सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। पर्यवेक्षण के लिए एसडीएम व तहसीलदारों को तैनात किया गया है। इसके बाद भी अभी तक जिले में केवल 50 फीसदी डाटा ही ऑनलाइन हो सका है। ऐसे में अब लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई की तलवार लटकने लगी है।

एसआईआर कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में कबरई ब्लॉक की ग्राम पंचायत , डिगरिया, श्रीनगर, सिचौरा, सिजहरी, ढिकवाहा और कबरई देहात के पंचायत सहायकों पर कार्रवाई होगी। जबकि पनवाड़ी ब्लॉक की ग्राम पंचायत अमानपुरा, विजयपुर, पनवाड़ी, नकरा, कोहनिया, किल्हौआ, काशीपुरा, तेईया, चौका, सौरा व बम्हौरीकुर्मिन के पंचायत सहायक ,चरखारी ब्लॉक की ग्राम पंचायत अक्ठौंहा, कुड़ार, बमरारा व गौरहारी, जैतपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत गुढ़ा, जैलवारा, कमालपुरा, बिहार, थुरट और सलैयामाफ, के पंचायत सहायक शामिल हैं।

101 निर्धन एवं गरीब बेटियों के पिता बने राजेश

अमेठी। प्रसिद्ध उद्योगपति एवं अमेठी जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रहरि उर्फ राजेश मसाला अपने बड़े पुत्र के विवाहोपरांत शुक्रवार की शाम को आयोजित प्रीति भोज में 101 गरीब, निराश्रित एवं असहाय कन्याओं के विवाह हेतु 1 लाख 51 हजार रुपए का चेक प्रदान करते हुए कहा कि आज से मेरी स्वयं की दो बेटियों के साथ यह 101 बेटियां और जुड़ गई । अब मेरे 103 बेटियां हो गई। जिनके पूरे जीवन की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं।

उल्लेखनीय है कि देश के नामी मसाला व्यवसाई राजेश मसाला के बड़े पुत्र हिमांशु अग्रहरि की बाइट 24 नवंबर को कानपुर के बड़े व्यवसाय की पुत्री के साथ राजस्थान में विवाह संपन्न हुआ। इसके बाद राजेश मसाला की बहू घर आई। राजेश मसाला ने बड़ी बहू के घर आगमन की खुशी में 28 नवंबर को रिसेप्शन पार्टी रखी थी। इसी दौरान देर शाम उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य और पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति के हाथों 101 गरीब एवं निर्धन परिवार की बेटियों को 1 लाख 51 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया। यह बेटियां सिर्फ अमेठी जनपद की ही नहीं बल्कि आसपास के जनपदों की है।

जिनकी मदद राजेश मसाला परिवार के द्वारा किया गया। इस मौके पर राजेश मसाला ने बताया कि 51 हजार रुपए विवाह में भोजन आदि के खर्च हेतु और 1 लाख रुपए गृहस्थी बसाने के लिए सभी को दिया गया है। अब तक मेरी दो बेटियां थी। आज से यह 101 बेटियां भी मेरी हो गई। अब मेरे 103 बेटियां हो गई जिनकी पूरी जिम्मेदारी मेरे कंधों पर है। आज ही नहीं भविष्य के पूरे जीवन में उनके दुख सुख में मैं सहभागी रहूंगा। इस मौके पर मुंबई से चलकर आए गायक कैलाश खेर ने अपने गीतों से शमा बांध दिया।

राजेश मसाला के द्वारा किए गए इस अभूतपूर्व कार्यक्रम की चर्चा लोगों की जुबान पर है। उन्होंने सीधे तौर पर 1 करोड़ 52 लाख 51 हजार रुपए दान कर संपूर्ण समाज को संदेश दिया कि अगर ऊपर वाला आपको सक्षम बनाता है तो निश्चित रूप से गरीब, लाचार, असहाय और निराश्रित लोगों की मदद जरूर करनी चहिए।

इस रिसेप्शन पार्टी में उत्तर प्रदेश सरकार की परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, नरेंद्र कश्यप, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजय सिंह, बृजभूषण शरण सिंह, एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी, एमएलसी व प्रदेश महामंत्री गोबिन्द नारायण शुक्ला राजा बाबू, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह , अयोध्या धाम के महापौर एवं कुलगुरु गिरीशपति त्रिपाठी सपत्नीक मौजूद रहे। इसी के साथ तमाम उद्योगपतियों का भी जमावड़ा लगा रहा।

एसआईआर कार्य में उत्कृष्ट 14 बीएलओ सम्मानित

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी जे. रीभा ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2025 में शत-प्रतिशत कार्य समय पर पूरा करने वाले 14 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डीएम ने विधानसभा क्षेत्रवार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ अरविन्द कुमार गुप्ता (शिक्षामित्र), अनुराधा (आंगनबाड़ी), भागवत प्रसाद (शिक्षामित्र) 232-तिंदवारी विधान सभा से, रामकरन, अरुण कुमार, सुरेश कुमार व मनोज कुमार उपाध्याय (शिक्षामित्र) 233-बबेरू एवं 234-नरैनी विधानसभा से, जबकि प्रियंका जैन (सहायक अध्यापक) और सर्वेश तिवारी (सहायक अध्यापक) 235-बांदा विधानसभा को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्मानित बीएलओ ने समयबद्धता और जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि अन्य बीएलओ भी इसी गंभीरता और तत्परता से निर्वाचक नामावली के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य को पूरा करें।

उन्होंने सम्मानित बीएलओ से आग्रह किया कि वे अपने अनुभव साझा करते हुए अन्य बीएलओ की मदद करें, ताकि जिले में एसआईआर कार्य और अधिक गति से पूरा हो सके। कार्यक्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम (वि./रा.) कुमार धर्मेंद्र तथा सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आर.एस. रजौरिया भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, नाबालिग समेत दो लोगों की मौत

मिर्जापुर। जिले में एक ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे एक नाबालिग समेत दो लोगों की मौत हो गयी और छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। राजगढ़ थाना प्रभारी दया शंकर ओझा ने बताया कि घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात थानाक्षेत्र के भावा बाजार में हुई। उन्होंने बताया कि यह सभी लोग सोनभद्र से बेटी की सगाई की रस्म कर वापस लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर-ट्राली में बैठे लोग हवा में उछलकर नीचे गिर पड़े। ओझा ने बताया कि मृतकों की पहचान शंकर लाल (50) और संदीप (15) के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

झोपड़ी में आग लगने से एक बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत

शाहजहांपुर। जिले में एक झोपड़ी में आग लगने से एक बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कांट थानाक्षेत्र के अलियापुर गांव में रहने वाले रामपाल श्रीवास्तव (60) शुक्रवार रात में खाना खाकर घर के बाहर बनी अपनी झोपड़ी में सो रहे थे। उन्होंने बताया कि रात में अचानक उनकी झोपड़ी में आग लग गई। अधिकारी ने परिजनों के हवाले से बताया कि इसके बाद शोर गुल सुनकर सामने मकान में रह रहे उनके परिवार के लोग बाहर निकले लेकिन आग काफी तेज थी। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के सभी प्रयास निष्फल हो गए और रामपाल की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के झुलसे हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। द्विवेदी ने बताया कि आग कैसे लगी यह पता लगाने के लिए मामले की जांच शुरू कर दी गयी है।

वाराणसी में 353 अग्निवीर ने ली देश सेवा की शपथ

वाराणस। वाराणसी में कांटोमेंट क्षेत्र के परेड ग्राउंड में शनिवार की सुबह 353 अग्निवीर (बैच 006) ने परेड में भाग लेकर देश सेवा का शपथ ग्रहण किया। ये अग्निवीर अब देशभर में अपने यूनिट में ड्यूटी पर जाएंगे। कांटोमेंट क्षेत्र में शनिवार की सुबह परेड के बाद सूबेदार डोर विक्रम पाण्डेय ने बताया कि ब्रिगेडियर जयदीप चंदा के समक्ष अग्निवीर के प्रतिभागियों ने शपथ ली है। सात महीने तक ट्रेनिंग के दौरान अग्निवीर हर प्रकार की ट्रेनिंग करते रहे। कठिन परिश्रम के बाद ये अग्निवीर अब देश के लिए तैयार है।

आजमगढ़ में पति ने पत्नी की पीट-पीटकर की हत्या

आज़मगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के तरवां थाना क्षेत्र में बीती रात शुक्रवार को घरेलू विवाद में पति ने पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि तरवां थाना क्षेत्र में महुआरी मठिया गांव निवासी सुनील यादव का शुक्रवार की देर रात अपनी पत्नी सुनीता यादव (34) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि रात करीब साढ़े 12 बजे विवाद बढ़ने पर पति सुनील ने पत्नी को जमकर पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका के बड़े बेटे की सूचना पर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की। मौके पर पहुंची पुलिस ने फील्ड यूनिट व डॉग स्क्वायड के साथ जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। इस घटना में आरोपित को हिरासत में लेकर मृतका के परिजनों की तहरीर पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पशुपालकों को बंधक बनाकर हथियारबंद बदमाश 48 भेड़ लेकर फरार

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में संतनगर थाना क्षेत्र के पड़रिया काला गांव के कुसियारिया मजरे में शुक्रवार देर रात अज्ञात हथियारबंद चोरों ने पशुपालकों को बंधक बनाकर 48 से अधिक भेड़ चोरी कर ले गए। आधी रात हुई इस घटना की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कुसियारिया निवासी शिवनाथ पाल पुत्र दर्शू पाल और शिवबलि पाल पुत्र महावीर पाल पशुपालक हैं। दोनों बीती रात शुक्रवार को अपनी भेड़ों के पास मढ़हा लगाकर सो रहे थे। रात लगभग दो बजे एक वाहन से पहुंचे आधा दर्जन बदमाश जाली के भीतर बंधी भेड़ों को वाहन पर लादने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने असलहा दिखाते हुए दोनों पशुपालकों को चारपाई से बांध दिया और सभी भेड़ों को उठाकर फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ितों ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें बंधन से मुक्त कराया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो हफ्तों से क्षेत्र में भेड़ चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे ग्रामीण भयभीत हैं और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। सूचना पर थानाध्यक्ष संतनगर राजेश कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। उन्होंने बताया कि मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही भेड़ चोरी और ऐसा करने वालों का पर्दाफाश किया जाएगा।

डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल, लौट रहे मरीज

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में मंडल मुख्यालय स्थित राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आलम यह है कि अस्पताल पूरी तरह डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है। पूरे अस्पताल का संचालन केवल एक महिला चिकित्सक के भरोसे चल रहा है। पुरुष डॉक्टर न होने से दूर-दराज से आने वाले पुरुष मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई मरीज अपनी समस्या महिला डॉक्टर को बताने में असहज महसूस करते और निराश होकर वापस लौट जाते हैं। मजबूरी में उन्हें निजी चिकित्सकों के यहां जाना पड़ रहा है। जिला अस्पताल परिसर में स्थित इस होम्योपैथिक अस्पताल में मरीजों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। एलोपैथिक दवाओं के दुष्प्रभाव से बचने के लिए लोग होम्योपैथिक उपचार को प्राथमिकता देने लगे हैं। सुबह से ही अस्पताल में मरीजों की भीड़ लग जाती है और प्रतिदिन सौ से अधिक मरीज यहां पहुंचते हैं। अस्पताल में सीनियर एमओ डॉ. मनोज सिंह गौर और डॉ. श्वेता यादव की तैनाती थी। लेकिन तीन माह पहले डॉ. मनोज सिंह को गोरखपुर संबद्ध कर दिया गया। तब से अब तक किसी भी पुरुष डॉक्टर की तैनाती नहीं की गई है। पुरुष डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण विशेष रूप से गुप्त रोग से पीड़ित मरीज इलाज के बिना लौटने को मजबूर हैं। मरीजों ने बताया कि पहले उन्हें पुरुष डॉक्टर से इलाज मिला और आराम भी था, लेकिन अब डॉक्टर न होने से फिर से बीमारी बढ़ रही है। कई बार अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस संबंध में डीएचओ डॉ. संतोष सोनी का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में है और जल्द ही आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

यातायात माह पर बच्चों ने दिए ट्रैफिक जागरूकता का संदेश

हरदोई । जनपद में यातायात माह नवंबर के तहत शनिवार को श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सुरक्षित यातायात के लिए अपने विचार प्रस्तुत कर ट्रैफिक जागरूकता का संदेश दिया। बच्चों ने लोगों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें, क्योंकि "जान है तो जहान है।" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) सुबोध गौतम, विशिष्ट अतिथि एआरटीओ अरविंद कुमार सिंह रहे। उन्होंने बच्चों को ट्रैफिक रूल्स की जानकारी दी और स्वयं व अपने परिजनों को नियमों का पालन कराने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधक मुकेश सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि संचालक एवं व्यवस्थापक अखिलेश सिंह ने आभार व्यक्त किया।अंत में निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में होगी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कड़ी परीक्षा

रांची। अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे जिससे वह 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे। भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में खेलते हैं। भारत को अगले दो महीनों में केवल छह एकदिवसीय मैच खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम तीन जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन वनडे मैच की श्रृंखला खेलेगी। ऐसे में सभी की निगाह भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों रोहित और कोहली पर टिके रहना स्वाभाविक है। इन मैचों में उनके प्रदर्शन का 2027 के वनडे विश्व कप में उनकी संभावनाओं पर सीधा असर पड़ सकता है। हो सकता है कि यह उनके विश्व कप के भाग्य को पक्का न करे, लेकिन यह मैच उनके लिए ऑडिशन की तरह हो सकते हैं जिससे उनके भविष्य की राह भी सुनिश्चित होगी। संयोग से 2013 में इसी जेएससीए स्टेडियम में रोहित शर्मा पहली बार पूर्णकालिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेले थे जिससे सीमित ओवर की क्रिकेट में उनका करियर ही बदल दिया। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से भी अधिक समय बाद फिर से यहां पहुंचा है जहां वह अपने करियर को फिर से नहीं दिशा देने की कोशिश करेगा। भारत की यह एकदिवसीय श्रृंखला अगले वर्ष घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले खेली जा रही है जिसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है। दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में दोनों मैच में हारने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी जांच के दायरे में हैं हालांकि उनके पद को किसी तरह का खतरा नहीं है क्योंकि उनका अनुबंध 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक है। टेस्ट में मिली हार के बाद उनके रणनीतिक फैसलों और टीम चयन पर सवाल उठे। मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से उनकी यह दूसरी बड़ी विफलता थी। ऐसे में यहां वनडे श्रृंखला गंभीर के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने और सीमित ओवरों में भारत की दिशा को स्पष्ट करने का एक अहम मौका है। अगले साल घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप को देखते हुए वनडे उनकी तात्कालिक प्राथमिकता नहीं होगी, फिर भी गंभीर भारत की सीमित ओवरों की रणनीति में स्थिरता लाने और उसे दिशा देने के लिए उत्सुक होंगे। इस श्रृंखला में भी भारतीय एकादश अभी तक तय नहीं हुई है और कई सीनियर खिलाड़ी टीम में नहीं हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है, जबकि नियमित कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। उनकी अनुपस्थिति न केवल टीम की बल्लेबाजी को कमजोर करती है, बल्कि कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल और मुख्य कोच गंभीर को भी अपनी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निभाने के लिए बाध्य करती है। मध्यक्रम की पहेली और भी नाज़ुक है। प्रबंधन को यह तय करना होगा कि ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को चुना जाए या फिर नितीश कुमार रेड्डी को। तिलक वर्मा ने खुद को भरोसेमंद बल्लेबाज साबित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम एकादश में रखना चाहेगा। यह भी देखना होगा कि अगर कप्तान केएल राहुल विकेटकीपिंग करते हैं तो क्या ऋषभ पंत को अंतिम एकादश में जगह मिलेगी या नहीं। बुमराह और सिराज की अनुपस्थिति में गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और कुलदीप यादव पर होगी। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट श्रृंखला में जीत के बाद आत्मविश्वास के साथ श्रृंखला में उतरेगा। वह इस प्रारूप में अपनी लय बरकरार रखने के लिए उत्सुक होगा। तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा और एनरिक नोर्किया की अनुपस्थिति से गेराल्ड कोएट्जी और नांद्रे बर्गर जैसे गेंदबाजों के लिए भारतीय परिस्थितियों में जिम्मेदारी संभालने का रास्ता खुल गया है, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज एक बार फिर धीमी पिचों पर अहम भूमिका निभाएंगे। दक्षिण अफ्रीका का बल्लेबाजी विभाग मजबूत है जिसमें क्विंटन डी कॉक, कप्तान तेम्बा बावुमा, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस और टोनी डी जॉर्जी आदि शामिल है।

टीम इस प्रकार हैं

- **भारतः** केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।
- **दक्षिण अफ्रीकाः** तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी , रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मैच दोपहर 1:30 बजे शुरू होगा।

सुल्तान अज़लान शाह कप

भारत ने कनाडा को रौंदा कर फाइनल में की जगह पक्की

इपोह (मलेशिया)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को अपने आखिरी राउंड-रोबिन मुकाबले में कनाडा को 14-3 से करारी शिकस्त देकर सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 के फाइनल में जगह सुनिश्चित कर ली। भारत के डिफेंडर जुगराज सिंह टीम के शीर्ष स्कोरर रहे, जिन्होंने कुल चार गोल दागे—तीन पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए।

इसके अलावा अभिषेक, अमित रोहिदास और राजिंदर सिंह ने दो-दो गोल किए। वहीं सेल्वम कार्ती, निलकांत शर्मा, संजय और दिलप्रीत सिंह ने एक-एक गोल का योगदान दिया। इस शानदार जीत के साथ भारत ने अंक तालिका में शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की कर ली है, चाहे दिन में बाद के मुकाबलों के परिणाम कुछ भी हों। क्रेग फुल्टन की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम का सामना फाइनल में संभवतः बेल्जियम से होगा—वही टीम जिसने राउंड-रोबिन चरण में भारत को एकमात्र हार दी थी।

फिलहाल बेल्जियम 10 अंकों के साथ मजबूत स्थिति में है और शनिवार को बाद में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा, जिसके सात अंक हैं। न्यूजीलैंड के पास फाइनल में पहुंचने की मामूली उम्मीद है, लेकिन इसके लिए उसे कम से कम छह गोल के अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

मलेशिया, नीदरलैंड ने पुरुष जूनियर विश्व कप में जीत से शुरुआत की

मदुरै। मलेशिया और नीदरलैंड ने शनिवार को यहां पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया। मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए।

मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच खेला जाएगा डब्ल्यूपीएल का पहला मैच

मुंबई। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली गत चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम चौथी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन मैच में नौ जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी। डब्ल्यूपीएल का फाइनल पहली बार सप्ताहांत पर नहीं होगा। इस बार प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार (पांच फरवरी) को खेला जाएगा। ऐसा पुरुषों के टी20 विश्व कप से टकराव से बचने के लिए किया गया है जो उसी सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी (शनिवार) को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इस बार डब्ल्यूपीएल 28 दिन तक चलेगा और इसमें 22 मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का आयोजन दो स्थानों पर किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की महिला आईसीसी विश्व कप जीत का गवाह बना डीवाई पाटिल स्टेडियम शनिवार को घोषित कार्यक्रम के अनुसार पहले 11 मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें 10 और 17 जनवरी को होने वाले दो-दो मैच भी शामिल हैं। यहां बाकी सभी मैच शाम के सत्र में खेले जाएंगे। इसके बाद लीग वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी, जहां शेष 11 मैच खेले जाएंगे। इसमें दो फरवरी को एलिमिनेटर और पांच फरवरी को होने वाला फाइनल शामिल है। यह पहली बार है जब डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी में खेला जाएगा, क्योंकि पिछले तीन टूर्नामेंट आईपीएल से ठीक पहले फरवरी-मार्च में आयोजित किए गए थे। प्रतियोगिता के प्रारूप में कोई बदलाव नहीं किया गया है तथा पांचों टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, यूपी वॉरियर्स, गुजरात जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स डबल राउंड-रॉबिन में एक-दूसरे के साथ दो बार खेलेंगी। लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में भिड़ेंगी। डब्ल्यूपीएल के समापन के दस दिन बाद भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी, जिसमें 15 फरवरी से नौ मार्च तक तीन टी-20, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल चौथे सत्र का कार्यक्रम इस प्रकार है

नवी मुंबई में: नौ जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु; 10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स; 11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स; 12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स; 13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स; 14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स; 15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स; 16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स; 17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा में: 19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु; 20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस; 22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स; 24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स; 26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस; 27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स; 29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु; 30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस; एक फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स

एलिमिनेटर: तीन फरवरी; फाइनल: पांच फरवरी (दोनों वडोदरा में)।

अदिति संयुक्त 11वें स्थान पर, अवनि शीर्ष 20 में पहुंची

मलागा (स्पेन)। भारत की गोल्फर अदिति अशोक यहां एंडालुसिया कोस्टा डेल सोल ओपन डी एस्पाना में दूसरे राउंड के बाद शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गई जबकि अवनि प्रशांत ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 20 में जगह बना ली। इस प्रतियोगिता की पूर्व विजेता अदिति ने दूसरे राउंड में दो अंडर 70 का स्कोर बनाया और अब वह पांच अंडर 139 के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई है। अवनि ने दूसरे राउंड में तीन अंडर 69 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड हासिल किया, जिससे उनका स्कोर चार अंडर हो गया और वह संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में प्रणवी उर्स (71) एक ओवर के कुल स्कोर पर 47वें स्थान पर जबकि हिताशी बख्शी (76) और दीक्षा डागर (75) दोनों संयुक्त 64वें स्थान पर हैं।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत हुई: गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष 2025-26 की (जुलाई-सितंबर) दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है ।लसरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात के वडोदरा में आयोजित एक नेशनल पदयात्रा में हिस्सा लेते हुए जीडीपी पर पूछे गए सवाल के जवाब में पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत सरकार ने बिजनेस को आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं और सुधार किए हैं, जिससे मौजूदा वित त्वर्ष की जुलाई सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था को 8.2 फीसदी की ग्रोथ हासिल करने में मदद मिली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी ग्रोथ दर्ज कर रहा है। उन्होंने कहा कि 8.2 फीसदी की ग्रोथ सरकार द्वारा उठाए गए कई सुधार उपायों को दिखाती है। गोयल ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और कारोबार को आसान बनाने के लिए कई उपाय किए गए हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर लिखा कि आज वडोदरा में श्रम रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया एवं मंत्री वीरेंद्र कुमार के साथ सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर आयोजित यूनिटी मार्च (पदयात्रा) में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। वडोदरा में कदम रखते ही सरदार पटेल की विरासत का गर्व महसूस होता है। उनकी दृढ़ता से अनेक रियासतें मिलकर एक भारत बनीं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वही संकल्प हमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की राह दिखा रहा है।

प्रावधानों का अनुपालन न करने पर GRSE को NSE, BSE से नोटिस

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को शनिवार को बताया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई से नोटिस मिला है। ये नोटिस 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के सूचीबद्धता नियमों के तहत कंपनी प्रशासन के कई प्रावधानों का पालन न करने के कारण मिला है। शेयर बाजार को दी जानकारी में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि दोनों शेयर बाजारों ने विनियम के उल्लंघन को चिह्नित किया है। इन उल्लंघनों में स्वतंत्र निदेशकों की अनिवार्य उपस्थिति, लेखा परीक्षा समिति तथा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के गठन से जुड़े नियम शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि इन उल्लंघनों के लिए एनएसई और बीएसई ने अलग-अलग 9,77,040 रुपये का जुर्माना लगाया है। जीआरएसई ने नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि चूंकि वह रक्षा मंत्रालय के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, इसलिए निदेशक मंडल में नियुक्तियां भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपति के आदेश से की जाती हैं।

भारत में आधे से ज्यादा प्रभावित ए320 विमानों का सॉफ्टवेयर अपडेट हुआ: डीजीसीए

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइंस द्वारा संचालित कुल 338 ए320 विमानों को उड़ान नियंत्रण से जुड़ी संभावित खराबी दूर करने के लिए सॉफ्टवेयर अपग्रेड की जरूरत थी और इनमें से आधे से ज्यादा विमानों में यह काम पूरा हो चुका है। यह जानकारी नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों से मिली।

सूत्रों ने बताया कि कोई उड़ान रद्द नहीं हुई है, लेकिन जिन विमानों पर सॉफ्टवेयर अपडेट का काम चल रहा है, उनसे जुड़ी कुछ उड़ानों में 60-90 मिनट की देरी हो रही है। एयरबस ने शुक्रवार को कहा था कि तीव्र सौर विकिरण की वजह से ए320 श्रेणी के काफी विमानों में उड़ान नियंत्र के लिए जरूरी डेटा खराब हो सकता है और इस समस्या को ठीक करने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट करने के दौरान परिचालन में बाधा आएगी। डीजीसीए के 29 नवंबर सुबह 10 बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल 338 में 189 ए320 परिवार के विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा हो चुका है। सभी प्रभावित विमानों पर यह काम 30 नवंबर सुबह 5:29 बजे तक पूरा करना अनिवार्य है। डीजीसीए ने शनिवार को एयरलाइंस को तत्काल प्रभाव से जरूरी सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का निर्देश जारी किया।

यह कदम एयरबस के वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी करने और यूरोपीय एविएशन सेफ्टी अथॉरिटी (ईएएसए) के आपातकालीन निर्देश जारी करने के बाद उठाया गया। इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ए320 परिवार के विमान संचालित करती हैं। डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक इंडिगो के 200 विमान प्रभावित हैं और इनमें से 143 पर अपग्रेड पूरा हो गया है।

इसी तरह एयर इंडिया के 113 विमान प्रभावित हैं और 42 पर अपग्रेड पूरा हो गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के 25 विमान प्रभावित हैं, जिनमें से चार पर अपग्रेड पूरा हो गया है। सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का काम दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता स्थित एयरलाइंस के बेस पर चल रहा है।

विवेक चतुर्वेदी होंगे सीबीआईसी के नए चेयरमैन सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 1990 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य चतुर्वेदी की सीबीआईसी के चेयरमैन पद पर नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह संजय कुमार अग्रवाल का स्थान लेंगे। अग्रवाल 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य बनने से पहले विभाग में प्रधान महानिदेशक 'विजिलेंस' थे। उन्होंने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और उनके पास जांच कार्यों का अच्छा-खासा अनुभव है।

टाटा समूह के लिए एयर इंडिया सिर्फ एक व्यावसायिक अवसर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है: चन्द्रशेखरन

मुंबई। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शनिवार को कहा कि बदलाव के दौर से गुजर रही एयर इंडिया टाटा समूह के लिए सिर्फ एक व्यावसायिक अवसर नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। चंद्रशेखरन ने कहा कि विमानन क्षेत्र लगातार चुनौतियों का सामना कर रहा है और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी समस्याओं के कारण पुर्जों, बुनियादी ढांचे और नए बेड़े की उपलब्धता काफी अनिश्चित हो गई है।

उन्होंने कहा कि आप जो भी योजना बनाते हैं, वह इस क्षेत्र में सामने आने वाली स्थितियों के कारण कठिन होती जा रही है। चंद्रशेखरन ने यह भी उल्लेख किया कि विमानन एक बहुत ही पूंजी-गहन व्यवसाय है और इसमें लाभ भी कम होते हैं। शहर में जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में चंद्रशेखरन ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि टाटा समूह के लिए एयर इंडिया केवल एक व्यावसायिक अवसर नहीं है यह एक जिम्मेदारी है।₹ चंद्रशेखरन ने यह भी बताया कि विमानन एक बहुत पूंजी-गहन कारोबार है और इसमें लाभ भी बहुत कम रहता है। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का अधिग्रहण किया था और तब से समूह एक महत्वाकांक्षी पांच-वर्षीय परिवर्तन योजना पर काम कर रहा है। हालांकि, विभिन्न कारणों से प्रगति अपेक्षा से धीमी रही है, जिनमें विमान उन्नयन और आपूर्ति में देरी का कारण बनने वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं भी शामिल हैं।

टाटा समूह के लिए एयर इंडिया सिर्फ एक व्यावसायिक अवसर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है: चन्द्रशेखरन

मुंबई। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शनिवार को कहा कि बदलाव के दौर से गुजर रही एयर इंडिया टाटा समूह के लिए सिर्फ एक व्यावसायिक अवसर नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। चंद्रशेखरन ने कहा कि विमानन क्षेत्र लगातार चुनौतियों का सामना कर रहा है और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी समस्याओं के कारण पुर्जों, बुनियादी ढांचे और नए बेड़े की उपलब्धता काफी अनिश्चित हो गई है।

उन्होंने कहा कि आप जो भी योजना बनाते हैं, वह इस क्षेत्र में सामने आने वाली स्थितियों के कारण कठिन होती जा रही है। चंद्रशेखरन ने यह भी उल्लेख किया कि विमानन एक बहुत ही पूंजी-गहन व्यवसाय है और इसमें लाभ भी कम होते हैं। शहर में जेआरडी टाटा की 121वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में चंद्रशेखरन ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि टाटा समूह के लिए एयर इंडिया केवल एक व्यावसायिक अवसर नहीं है यह एक जिम्मेदारी है। चंद्रशेखरन ने यह भी बताया कि विमानन एक बहुत पूंजी-गहन कारोबार है और इसमें लाभ भी बहुत कम रहता है। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का अधिग्रहण किया था और तब से समूह एक महत्वाकांक्षी पांच-वर्षीय परिवर्तन योजना पर काम कर रहा है।

हालांकि, विभिन्न कारणों से प्रगति अपेक्षा से धीमी रही है, जिनमें विमान उन्नयन और आपूर्ति में देरी का कारण बनने वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं भी शामिल हैं।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ नियमों का उल्लंघन करने के मामले में निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना निजी क्षेत्र के इस बैंक पर 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) से जुड़ी कानूनी और नियामकीय बाध्यताओं में कमियों के लिए लगाया गया है। आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि एचडीएफसी बैंक पर ये जुर्माना बैंक पर बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ नियमों का उल्लंघन, कर्ज पर ब्याज दर से जुड़ी शर्तों का पालन न करने, वित्तीय सेवाओं के लिए जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता के दिशानिर्देशों तथा केवाईसी से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के अनुसार बैंक का निगरानी मूल्यांकन करने के लिए एक सांविधिक जांच की गई थी। बैंक को इस संबंध में रिजर्व बैंक द्वारा एक नोटिस जारी किया गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक के जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारियों पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक ने पाया कि बैंक के खिलाफ आरोप सही थे, जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाना आवश्यक था।

शादी की दूसरी सालगिरह पर रणदीप हुड्डा-लिन लैशराम ने दी बड़ी खुशखबरी

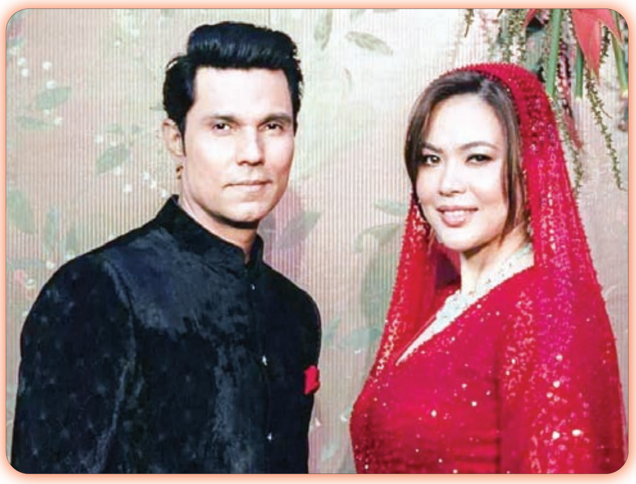

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम ने अपनी शादी की दूसरी सालगिरह को बेहद खास बना दिया। इस कपल ने फैन्स को वह खुशखबरी दे दी है, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। अपनी एनिवर्सरी पर दोनों ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा सा पोस्ट शेयर करते हुए यह ऐलान किया कि उनके घर जल्द ही एक नन्हा मेहमान आने वाला है। शादी से लेकर अब तक यह जोड़ी अपने प्रेम, रोमांस और साहसिक सफर के लिए जानी जाती रही है, और अब उनकी जिंदगी में एक नया और खूबसूरत अध्याय जुड़ने जा रहा है।

रणदीप का इमोशनल एनिवर्सरी पोस्ट

रणदीप हुड्डा और लिन ने 29 नवंबर 2023 को इंफाल में पारंपरिक मणिपुरी रीतिरिवाजों के साथ शादी की थी। सालगिरह के मौके पर दोनों ने अपनी एक खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ₹दो साल प्यार, रोमांच३ और अब एक नन्हा शरारती मेहमान रास्ते में है।₹ पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैन्स, सेलिब्रिटीज और दोस्तों ने इस कपल को ढेर सारी शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया। खुशी से झूम रहे रणदीप अब पिता बनने की तैयारी में हैं और इसे लेकर बेहद उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। रणदीप और लिन की उम्र में 10 साल का अंतर है। जहां रणदीप 49 साल के हैं, वहीं लिन 39 की हैं। शादी से पहले रणदीप ने कहा था कि उनकी दो ही बड़ी इच्छाएं हैं, बहुत सारे बच्चे और बहुत सारी खुशियां। वे लिन के साथ अपनी लंबे समय की दोस्ती को आगे बढ़ाकर परिवार बनाते देख बेहद खुश हैं।

कैसे शुरू हुई रणदीप और लिन की कहानी?

इन दोनों का रिश्ता थिएटर की दुनिया से शुरू हुआ। रणदीप और लिन की पहली मुलाकात नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप 'मोटली' में हुई थी। धीरे-धीरे दोस्ती ने गहरा रूप ले लिया और फिर प्यार पनपने लगा। लॉकडाउन के दौरान दोनों साथ रहे और उनका रिश्ता और मजबूत होता चला गया। साल 2022 में दिवाली की शुभकामनाओं के साथ रणदीप ने पहली बार लिन के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था।

पुष्पा इम्पॉसिबल के आने वाले एपिसोड में दर्शक गहराई से जुड़ेंगे: करुणा पांडे

मुंबई। अभिनेत्री करुणा पांडे का कहना है कि सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल के आने वाले एपिसोड में दर्शक बहुत गहराई से जुड़ेंगे। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है, जिसमें पुष्पा (करुणा पांडे) के रूप में एक आम लेकिन असाधारण महिला की कहानी दिखाई जाती है, जो हर मुश्किल का डटकर सामना करती है। यह शो दिखाता है कि कैसे एक गृहिणी अपने मजबूती भरे इरादों के साथ ज़िंदगी की ठोकरों को खुद पर हावी नहीं होने देती और आगे बढ़ते हुए एक एडवोकेट के रूप में न्याय की लड़ाई लड़ती है। आने वाले एपिसोड्स में, हाल ही में एक इलाके से बड़ी संख्या में मरीजों के सामने आने वाली घटना की सच्चाई तक पहुंचने की कोशिश में जुटी पुष्पा की जांच खतरनाक मोड़ ले लेती है, जब उसे पीछे हटाने के मकसद से गंभीर धमकी दी जाती है। इसके बावजूद पुष्पा हिम्मत नहीं हारती और पत्रकारों से मिलती है, पीआईएल दायर करती है और नए सुरागों के पीछे लग जाती है। इसी बीच पुष्पा की बेटी राशि (अक्षया हिंदळकर) का मंगेतर ऋषभ (श्रेय मराड़िया) दोनों परिवारों के लिए डिनर और मुलाक़ात का कार्यक्रम रखता है। जांच में उलझी होने की वजह से पुष्पा देर से पहुंचती है और लौटने पर सबसे पहले उसे ऋषभ की मां के तानों का सामना करना पड़ता है। इसके बाद उसे "हमारा परिवार आठ बजे के बाद नहीं खाता" कहकर खाना खाने से भी मना कर दिया जाता है। लेकिन पुष्पा को सबसे ज़्यादा विचलित कर देता है ऋषभ का अचानक गुस्सा और उसका अनियंत्रित व्यवहार। उसका ये रूप देखकर पुष्पा राशि के भविष्य को लेकर भीतर तक हिल जाती है, खासकर तब जब वो देखती है कि राशि पूरी कोशिश कर रही है कि वो इस परिवार को खुश कर सके और खुद को इनके मुताबिक ढाल सके। पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा, "ये दौर पुष्पा के लिए बेहद भावुक करने वाला है, क्योंकि जहां न्याय के लिए लड़ते हुए वो बिल्कुल निडर रहती है, वहीं ऋषभ और उसके परिवार में दिखते रेड फ्लैग्स उसे अंदर से हिला देते हैं। पुष्पा देखती है कि राशि कितनी लगन से उन्हें इंप्रेस करने की कोशिश कर रही है, लेकिन फिर भी वह सतह के नीचे छिपे कंट्रोल और गुस्से को महसूस कर पाती है।

बॉक्स ऑफिस पर छाई 'तेरे इश्क में', 'गुस्ताख इश्क' का पहले दिन ही बुरा हाल

पहली ही सुबह से दो बड़ी फिल्मों की टक्कर ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया था। सोशल मीडिया से लेकर सिनेमाघरों के बाहर तक, हर जगह सिर्फ एक ही सवाल गूंज रहा था, धनुष की 'तेरे इश्क में' या विजय वर्मा की 'गुस्ताख इश्क', किस फिल्म ने पहला दिन जीता? अब शुरुआती कमाई के आंकड़े सामने हैं और तस्वीर बिल्कुल साफ हो चुकी है।

'तेरे इश्क में' की धमाकेदार एंट्री

धनुष और कृति सैनन स्टारर तेरे इश्क में ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर तूफानी शुरुआत की है। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म को दर्शकों से तगड़ी प्रतिक्रिया मिली है। सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन 16.5 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग दी। इस कमाई के साथ यह 'सैयारा' के बाद 2025 की दूसरी सबसे बड़ी रोमांटिक ओपनर बन गई है।

कहानी की एक झलक

कहानी एक गुस्सैल, बेपरवाह युवक शंकर (धनुष) की है, जिसकी दुनिया तब बदलती है जब उसे कॉलेज की स्टूडेंट मुक्ति (कृति सेनन) से प्यार हो जाता है। रोमांस परवान चढ़ता है, लेकिन अचानक मुक्ति उससे दूरी बनाकर किसी और से शादी का फैसला कर लेती है और यहीं से कहानी में तीखा मोड़ आता है। इसके बाद शुरू होता है इमोशन, दर्द और जबरदस्त ड्रामा का सिलसिला।

'गुस्ताख इश्क' पहले ही दिन ढेर

धनुष की फिल्म के साथ रिलीज हुई विजय वर्मा की 'गुस्ताख इश्क' बॉक्स ऑफिस पर पहला दिन भी नहीं निकाल पाई। दर्शकों की प्रतिक्रिया मिश्रित रही, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म बुरी तरह पिछड़ गई। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 50 लाख रुपये कमाए, जो इसके बजट और स्टारकास्ट को देखते हुए बेहद कम आंकड़ा है। स्पष्ट है कि 'तेरे इश्क' में से सीधी भिड़ंत होना इसके लिए भारी साबित हुआ। उम्मीद है कि वीकेंड कलेक्शन में थोड़ी सुधार देखने को मिले।

'गुस्ताख इश्क' की कहानी और कलाकार

फिल्म में विजय वर्मा के साथ फातिमा सना शेख, नसीरुद्दीन शाह और शारिब हाशमी अहम भूमिकाओं में हैं। विभु पुरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की बतौर निर्माता शुरुआत है। कहानी पुरानी दिल्ली के एक प्रिंटिंग प्रेस को बचाने की जद्दोजहद में लगे विजय के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। उसी दौरान वह नसीरुद्दीन शाह के किरदार का शिष्य बनता है और उनकी बेटी के प्यार में पड़ जाता है।

श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वा से तबाही

चक्रवात 'दित्वा' श्रीलंका से आगे बढ़ा, अपने पीछे तबाही के निशान छोड़ गया

कोलंबो। चक्रवात 'दित्वा' शनिवार को श्रीलंका से निकलकर दक्षिण भारत के तटीय इलाकों में प्रवेश कर गया है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। श्रीलंका से आगे बढ़ चुके चक्रवात ने अपने पीछे तबाही के निशान छोड़े हैं, जिसके कारण देश में 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और बुनियादी ढांचा को भी नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग के महानिदेशक अथुला करुणानायके ने पत्रकारों को बताया, "हमने पाया है कि 'दित्वा' श्रीलंका से निकलकर भारतीय तट की ओर बढ़ रहा है।" उन्होंने कहा, "हालांकि, भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव कुछ समय तक बना रहेगा।" आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अनुसार, सुबह नौ बजे तक मरने वालों की आधिकारिक संख्या 123 थी, जबकि 130 लोग अब भी लापता हैं। यह संख्या और भी ज्यादा बढ़ने की आशंका है क्योंकि खराब मौसम की वजह से बुरी तरह प्रभावित इलाकों में संचार बाधित हो गया है, जिससे आपदा के असर के आकलन में दिक्कत आ रही है। 'सेंट्रल प्रोविंस' में बैडुल्ला के मुख्य जिला प्रशासक प्रभात अबेवरदेना ने कहा कि जिले में अब तक 49 लोगों की मौत हुई है और 41 लोगों के लापता होने की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने कहा, "कई इलाके अब भी पहुंच से बाहर हैं और वहां संपर्क स्थापित करने में दिक्कतें आ रही हैं।" 'सेंट्रल प्रोविंस' के नुवारा एलिया की मुख्य प्रशासक तुषारी तेनाकून ने कहा कि बृहस्पतिवार से जिले के अधिकतर इलाकों से कोई जानकारी नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि जिले में 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। श्रीलंका की सेना ने कहा कि उत्तर पश्चिम प्रांत के कलाओया इलाके में एक बस में फंसे करीब 68 लोगों को नौसेना ने शनिवार सुबह कई घंटों तक चले एक अभियान में बचाया। भारत ने चक्रवात 'दित्वा' के बाद संकट से घिरे श्रीलंका की मदद के लिए 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया है।

श्रीलंका ने आपदा राहत कार्यों से निपटने के लिए आपातकाल की घोषणा की

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने बाढ़ से हुई तबाही की स्थिति को ध्यान में रखते हुए पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। शुक्रवार को एक सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं ने आपातकाल की घोषणा करने की मांग की थी। चिकित्सकों के ट्रेड यूनियन ने दिसानायके को लिखे एक पत्र में आपातकाल लागू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। शुक्रवार और शनिवार को जारी एक आधिकारिक राजपत्र के अनुसार, पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। इससे राहत समन्वय और बचाव कार्यों की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि संकट की स्थिति से निपटने के लिए सैनिकों, पुलिस, स्वास्थ्य सेवा, नागरिक प्रशासन और नागरिक सुरक्षा बल की त्वरित तैनाती की आवश्यकता है ताकि आपातकाल में भी मदद मिल सके। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात 'दित्वा' शनिवार को श्रीलंका से निकलकर दक्षिण भारतीय तटीय रेखा में प्रवेश कर गया। चक्रवात से हुई तबाही में 120 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। मौसम विभाग की महानिदेशक अथुला करुणानायके ने संवाददाताओं को बताया, "हमने देखा कि 'दित्वा' श्रीलंका से भारतीय तट की ओर बढ़ रहा है।" उन्होंने बताया, "हालांकि, भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव कुछ समय तक बना रहेगा।" आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अनुसार, सुबह नौ बजे तक मृतकों की संख्या आधिकारिक तौर पर 123 हो गयी, थी जबकि 130 लोग लापता हैं। यह संख्या और भी ज्यादा होने की आशंका है क्योंकि तूफान के कारण बुरी तरह प्रभावित इलाकों में संचार व्यवस्था ठप हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

लेबनान की सेना ने इजराइल सीमा पर सैनिकों की संख्या बढ़ाई

जिबकिन वैली (लेबनान)। लेबनान की सेना ने इजराइल की सीमा से लगे क्षेत्रों में अपने सैनिकों की संख्या में बढ़ोतरी की है। इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच 14 महीने तक युद्ध के दौरान लेबनान की सीमा से सटे ये इलाके भी प्रभावित हुए थे। लितानी नदी के दक्षिण एवं इजराइल की सीमा के उत्तर में स्थित इस क्षेत्र के कुछ हिस्से पहले हिज्बुल्ला का गढ़ हुआ करते थे। सेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इजराइल-हिज्बुल्ला युद्ध समाप्त होने के बाद से लेबनान की सेना ने लगभग 10,000 सैनिकों को सीमा पर तैनात किया है, लितानी नदी के किनारे तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 11 नाकों को बंद कर दिया गया है और भारी मात्रा में अप्रयुक्त आयुध को नष्ट किया जा रहा है। सेना के जवान शुक्रवार को स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के दर्जनों पत्रकारों को सीमा से लगे दुर्गम इलाकों के दौरे पर ले गये। सैनिक उन जगहों पर देखे जा सकते थे, जहां कभी हिज्बुल्ला के लड़ाके होते थे।

पाकिस्तान: अंतरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति यूरी गागारिन के स्मारक का उद्घाटन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति यूरी गागारिन के स्मारक का उद्घाटन किया गया है। रूसी दूतावास ने यह जानकारी दी। दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि शुक्रवार को एफ-9 फातिमा जिन्ना पार्क में इससे संबंधित समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रूस के ऊर्जा मंत्री सर्गेई सिविलेव, पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस लेघारी, रूस के राजदूत अल्बर्ट पी. खोरेव, रूस में पाकिस्तान के राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी और रूसी पायलट-अंतरिक्ष यात्री एलेना सेरोवा ने शिरकत की। सिविलेव ने कहा, "यह हमारे साझा इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है। बड़ी संख्या में वैज्ञानिक अंतरिक्ष अनुसंधान में शामिल हैं। दुनिया के सभी देशों को इस कार्य का लाभ मिलना चाहिए। " उन्होंने यह भी कहा कि अगले साल इस्लामाबाद में 'कॉस्मोनॉटिक्स' और 'स्पेस इंफ्रास्ट्रक्चर' के विकास के लिए समर्पित रूस-पाकिस्तान सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। स्मारक का उद्घाटन 25-27 नवंबर को हुई रूस-पाकिस्तान अंतर सरकारी व्यापारिक, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग आयोग की 10वीं बैठक के मौके पर हुआ। अलग-अलग खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान और रूस के बीच रिश्ते मजबूत हो रहे हैं और दोनों पक्ष आर्थिक, रक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग को प्रगाढ़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका ने अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगाई

वॉशिंगटन। अमेरिका ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता का हवाला देते हुए अफगानिस्तान के पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन की यह कार्रवाई उस घटना के बाद की गई है जिसमें एक अफगान नागरिक ने 26 नवंबर को व्हाइट हाउस से पास दो गार्ड्स को गोली मार दी थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान के पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करना रोक दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पोस्ट साझा करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व वाले स्टेट डिपार्टमेंट ने अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करना रोक दिया है। अपने लोगों की सुरक्षा अमेरिका की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि एक अफगान नागरिक ने 26 नवंबर को व्हाइट हाउस से पास दो गार्ड्स को गोली मार दी थी। जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए घोषणा कर दी कि अमेरिकी प्रशासन तीसरी दुनिया से आने वाले प्रवासियों पर स्थायी प्रतिबंध लागू करेगा, ताकि अमेरिकी व्यवस्था को पूरी तरह पुनर्स्थापित होने के लिए समय मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका देश के अंदर मौजूद गैर-नागरिकों को दिए जाने वाले संघीय लाभ और सब्सिडी बंद कर देगा।

पाक की पंजाब पुलिस ने भारतीय नागरिक को गिरफ्तार करने का दावा किया

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने अनजाने में देश में घुसे एक कथित भारतीय नागरिक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पाकिस्तान रेंजर्स ने बिना किसी कानूनी औपचारिकता के उसे 100 दिनों से अधिक समय तक हिरासत में रखा। पुलिस के अनुसार, कथित भारतीय नागरिक बी जे सिंह 16 अगस्त को भारतीय बचन सिंह पोस्ट के सामने अजमल शहीद पोस्ट के पास से पाकिस्तान में प्रवेश कर गया। सिंह असम का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि रेंजर्स के जवानों ने उसे भारत-पाकिस्तान सीमा के पास से गिरफ्तार किया और तीन महीने से अधिक समय तक उससे पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि सिंह के पास से कुछ भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं होने के बाद उसे इस सप्ताह लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर कसूर के सदर पुलिस थाने को सौंप दिया गया।

अफगान तालिबान सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ में मदद कर रहा : पाक सेना

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान तालिबान देश में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आतंकियों को सीमा पर घुसपैठ कराने में मदद कर रहा है। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह आरोप लगाया। पत्रकारों से बातचीत का एक वीडियो शुक्रवार शाम जारी किया गया। प्रवक्ता के अनुसार, अफगान तालिबान सेना पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर गोलीबारी करती है, जिससे "आतंकवादियों और यहां तक कि तस्करों को पाकिस्तान में घुसपैठ का मौका मिलता है।" लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कहा, "सीमाओं की सुरक्षा हमेशा पारस्परिक रूप से होती है। दोनों देश उनकी रक्षा करते हैं। अब दूसरी तरफ एक ऐसा देश है जिसकी चौकियां पहले आपकी चौकियों पर गोलीबारी करती हैं और फिर दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो जाती है। और इस बीच मौका पाकर वे उन्हें (आतंकवादी) सरहद पार करवाते हैं।" सैन्य प्रवक्ता ने कहा, "ये बेहद समन्वित हमले हैं। वे चौकियों पर हमला करते हैं और तस्करों के वाहन मौका पाकर सीमा करते हैं।'